मनेन्द्रगढ़
25 अप्रैल 2026 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

बंगाल में बदलाव का दावा:

मोदी बोले- टीएमसी का दीया बुझने वाला

शाह ने कहा- अगला सीएम यहीं जन्म लेने वाला होगा, बस दीदी का भतीजा नहीं होगा

कोलकाता, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है।

पीएम ने महिला आरक्षण पर कहा कि भाजपा बेटियों के सपने कुचलने नहीं देगी। महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होगी।

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि 4 मई को हमारी सरकार बनेगी। बंगाल का अगला सीएम यहीं जन्म लेने वाला होगा। बस दीदी का भतीजा नहीं होगा।बंगाल में गुरुवार को पहले फेज में 152 सीटों पर रिकॉर्ड 92.72% मतदान हुआ है। दूसरे फेज में 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। रिजल्ट 4 मई को आएंगे।

पीएम ने कहा- 15 साल में TMC ने बंगाल को सिर्फ लूटने का काम किया: पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जाधवपुर में कहा कि बंगाल में पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में बंपर मतदान हुआ है। देश आजाद होने के बाद कभी ऐसा नहीं देखा जो इस बार बंगाल के लोगों ने कर दिखाया। हर तरफ यही चर्चा है कि भाजपा को कितना बड़ा समर्थन बंगाल में मिला है। आज बंगाल के छोटे दूकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी तक, सब भयमुक्त होकर भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहे हैं। हर कोई परिवर्तन के लिए भाजपा के भरोसे पर बंगाल का भाग्य बनाने के लिए तैयार हैं। पिछले 15 साल में TMC ने बंगाल को सिर्फ और सिर्फ लूटने का काम किया है। ऐसा कोई काम नहीं जहां ञस्ष्ट का भ्रष्टाचार नहीं इसलिए बंगाल की जनता कह रही है 'भर्ती घोटाला चोलबे न' (भर्ती घोटाला नहीं चलेगा), चीट फंड घोटाला, कोयला खनन घोटाला, गरीबों के राशन की लूट, तस्करों को छूट, कटमनी, भ्रष्टाचार नहीं चलेगा।

पीएम मोदी ने हुगली नदी में नाव की सवारी की

नाव चलाने वाले को गले लगाया, 1000 दिए;

कोलकाता, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हुगली नदी में नाव की सवारी की है। इस दौरान पीएम ने खुद से फोटोग्राफी भी की। तस्वीरों में वे हाथ में कैमरा लिए नजर आ रहे हैं। उन्होंने नाविकों से बातचीत भी की। हुगली में नाव की सवारी कराने वाले नाविक को एक हजार रुपए भी दिए। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म x पर नाव की सवारी वाली तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा, 'हर बंगाली के लिए गंगा का एक बहुत ही खास स्थान है। यह कहना गलत नहीं होगा कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है।' इससे पहले पीएम 19 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई।

सात महीने प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत

सुप्रीम कोर्ट बोला- यह बच्चा नहीं, महिला की इच्छा का सवाल, उसे डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक अहम फैसले में सात महीने से ज्यादा समय से प्रेग्नेंट 15 साल की नाबालिग लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। लड़की ने साफ तौर पर कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा, 'यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि महिला क्या चाहती है। अगर महिला बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो।' सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस स्टेज पर अबॉर्शन करना मां और बच्चे दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे लड़की और उसके परिवार की पहचान सुरक्षित रहे।

कोर्ट ने कहा- कोर्ट वहीं करेगा जो महिला के हित में बेहतर होगा

कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी, तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बढ़ जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों में संवैधानिक अदालतों को यह देखना चाहिए कि गर्भवती महिला के हित में क्या बेहतर है, खासकर तब जब गर्भ स्पष्ट रूप से अनचाहा हो। अंत में कोर्ट ने नाबालिग का AIIMS दिल्ली में सभी जरूरी मेडिकल सावधानियों के साथ अबॉर्शन कराने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा, 'किसी महिला, खासकर नाबालिग, को इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी पूरा करने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। इसलिए उसकी इच्छा का सम्मान करना जरूरी है।' कोर्ट ने कहा कि प्रजनन संबंधी फैसले लेने का अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गरिमा का हिस्सा है। इसलिए गोद देने का विकल्प किसी महिला को जबरन बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करने का आधार नहीं बन सकता।

नरवणे बोले- चीन गतिरोध में सरकार ने अकेला नहीं छोड़ा

राहुल का दावा था- पीएम पूर्व आर्मी चीफ से बोले थे जो उचित समझो, करो

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व आर्मी चीफ चीफ जनरल एमएम नरवणे ने गुरुवार को कहा कि 2020 में चीन के साथ गतिरोध में सरकार ने सेना को अकेला नहीं छोड़ा था। सरकार पूरी तरह से सपोर्ट में थी और पूरा अधिकार दिया था कि हालात बिगड़ने पर चीनी सैनिकों पर गोलियां चला सकें। जनरल नरवणे ने गुरुवार को कुछ चैनल्स को दिए इंटरव्यू में अपनी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' से जुड़े विवादों पर बात की। इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'जो उचित समझो वह करो' टिप्पणी सशस्त्र बलों पर सरकार के पूरे भरोसे को दर्शाती है और इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जमीनी स्थिति का जवाब देने के लिए सशस्त्र बलों को फ्री हैंड दिया गया था। दरअसल, राहुल गांधी ने 2 और 3 फरवरी को संसद में नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' का हवाला देकर चीन घुसपैठ और अग्निवीर योजना के रीव्यू का मुद्दा उठाया था। इसके बाद उन्होंने दावा किया था कि सरकार ने सेना को अकेला छोड़ दिया था। इसके बाद वे किताब लेकर भी संसद पहुंचे थे।

मणिपुर में मेइरा पाईबी की महिलाएं उतरीं सड़कों पर

दिन में रास्ते रोक कर धरना, रात में मशाल रैलियों से कानून-व्यवस्था संभाल रहीं

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में बीते 7 अप्रैल को रॉकेट हमले में दो बच्चों की मौत हो गई थी। प्रदर्शनों में 3 मौतें हो गई थीं। तबसे विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। अशांति के बीच 18 अप्रैल से पूर्ण बंद लागू है। सामान्य जीवन ठप है। इसी बीच अब मेइरा पाइबी समूह की महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। हजारों महिलाओं का यह समूह शांति-व्यवस्था के लिए न केवल सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि सामाजिक स्तर पर लोगों को भी जोड़ रहा है। ये महिलाएं दिन में रास्ते रोक रही हैं, धरना दे रही हैं। वहां से न पुलिस निकल सकती है, न कोई और। वहीं, रात में मशाल रैलियों से इलाकों की पहरेदारी भी कर रही हैं। एक प्रदर्शनकारी महिला ने बताया- घर संभालना, आंदोलन में जाना और रोजी-रोटी की चिंता, तीनों को साथ लेकर चलना चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी है और मैं हर चीज संतुलित कर रही हूं।

बड़े स्तर पर आंदोलन की तैयारी :

- लगातार बंद के कारण आर्थिक दबाव भी बढ़ रहा है। ख्वैरामबंद इमा मार्केट में कुछ महिला विक्रेता दुकानें खोलने को मजबूर हुई हैं। अनीता लौरेंबम ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि वे आंदोलन के खिलाफ हैं। वे इस काम के बाद आंदोलन में शामिल होंगी।
- नागरिक संगठन 'कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' ने 25 अप्रैल को बड़े स्तर पर आंदोलन की घोषणा की है।

आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भाजपा में

10 में से 7 सांसद साथ होने का दावा, अशोक मित्तल ने ईडी छापे के 10वें दिन पार्टी छोड़ी

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भाजपा जॉइन करने का ऐलान किया। शुक्रवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल भी मौजूद थे। चड्ढा ने कहा कि उनके साथ पार्टी के दो-तिहाई सांसद भी भाजपा में शामिल होंगे। अशोक मित्तल के घर 15 अप्रैल को श्वष्ठ ने छापेमारी की थी। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर हरभजन सिंह और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल भी उनके साथ हैं। दोनों आप के राज्यसभा सांसद हैं।

इनके नाम-

- राघव चड्ढा
- संदीप पाठक
- राजेंद्र गुप्ता
- विक्रम साहनी
- स्वाती मालीवाल
- हरभजन सिंह
- अशोक मित्तल

चड्ढा ने कहा- पिछले कुछ सालों से, मुझे यह महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूं। हमने यह फैसला किया है कि हम संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए खुद को भाजपा में मिला लेंगे।

राघव चड्ढा ने कहा- राज्यसभा में आप के 10 सांसद हैं, जिनमें से दो-तिहाई, यानी 7 हमारे साथ हैं।

यूपी-राजस्थान और महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 44डिग्री पार

ओडिशा के 4 जिलों में स्कूल बंद; केरल में लू लगने से एक की मौत

नई दिल्ली/ भोपाल/जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में लू का असर तेज होता जा रहा है। यूपी, राजस्थान और महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 44डिग्री के पार पहुंच गया है। गुरुवार को राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान सबसे ज्यादा 44.5डिग्री दर्ज हुआ। यूपी के प्रयागराज और महाराष्ट्र के अमरावती में 44.4डिग्री, वहीं अकोला में 44.3डिग्री पारा रिकॉर्ड हुआ।

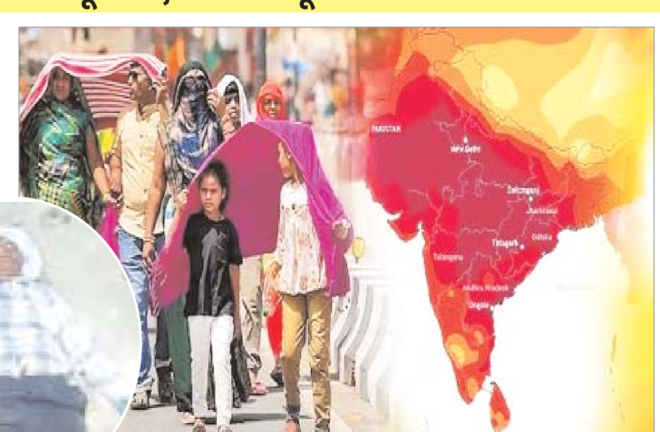

बढ़ती गर्मी के कारण राजस्थान के जयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर और दौसा में स्कूलों की टाइमिंग समय सुबह 7.30 बजे से कर दी गई है।

बीकानेर, झुंझुनूं और जैसलमेर में सरकारी योजनाओं काम के समय में भी बदलाव किया गया है। अब मजदूर सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही काम करेंगे। इधर, केरल में लू लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। कन्नूर जिले में बढ़ते तापमान के बीच गर्मी से हुई मौत का यह पहला मामला है।

ओडिशा में भी गुरुवार को हीटवेव का असर जारी रहा। झारसुगुड़ा और तालचेर में तापमान 44डिग्री दर्ज किया गया। राज्य के 24 जगहों पर तापमान 40डिग्री और उससे ज्यादा रहा। कटक में स्कूल और कॉलेजों की छुट्टियां 27 अप्रैल तक बढ़ा दी गई हैं। वहीं रायगढ़ा, झारसुगुड़ा और गंजाम जिलों में 26 अप्रैल तक स्कूल बंद रहेंगे।

असम-मेघालय में बारिश-ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट

गर्मी के मौसम से इतर पूर्वोत्तर के असम-मेघालय में आज भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। यहां ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। तटीय राज्यों में उमस भरा मौसम रहेगा। इसके अलावा नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर कर्नाटक के कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

तेलंगाना में बस ड्राइवर ने खुद को आग लगाई

RTC कर्मचारियों का प्रदर्शन; सरकार में विलय की मांग पर 3 दिनों से हड़ताल

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के वारंगल जिले में बस ड्राइवर ने खुद को पेट्रोल डालकर आग लगा ली। 50 साल के RTC कर्मचारी शंकर गौड़ अन्य ड्राइवरों के साथ राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर बैठे थे। आग की वजह से वे गंभीर रूप से झुलस गए।

शंकर को वारंगल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत बिगड़ने पर उन्हें हैदराबाद के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान शुक्रवार तड़के करीब 1:30 बजे उनकी मौत हो गई। दरअसल, RTC कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (JAC) ने 22 अप्रैल से विरोध कार्यक्रमों का ऐलान किया था। वे शांतिपूर्ण मार्च और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने वाले थे। कर्मचारी 32 मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जिनमें RTC के सरकारी विलय की मांग प्रमुख है।

सीएम ने शोक जताया : घटना पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार हर संभव मदद करेगी और उनके साथ खड़ी रहेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

इस पर 73 सांसदों के दस्तखत, मार्च में दोनों सदनों में खारिज हो चुका प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। इस पर 73 सांसदों के दस्तखत हैं।

इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते।

100 सांसदों के दस्तखत जरूरी

लोकसभा में CEC को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

इस्लाम में महिलाओं के मस्जिद आने पर रोक नहीं

बेहतर ये कि वे घर पर ही इबादत करें, सबरीमाला केस में याचिकाकर्ता की दलील

नई दिल्ली, एजेंसी। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कोर्ट से कहा कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से नहीं रोकता है, लेकिन यह बेहतर है कि वे घर पर ही इबादत करें। AIMPLB की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एम.आर. शमशाद ने CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-जजों की संविधान बेंच को बताया कि महिलाओं को कुछ नियमों के अधीन मस्जिद में नमाज पढ़ने की अनुमति है। उन्होंने अदालतों से धार्मिक रीति-रिवाजों को न्यायिक रूप से तय नहीं करने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा यह मुद्दा इसलिए आया है क्योंकि एक रिट याचिका में मांग की गई थी कि महिलाओं को मस्जिदों में नमाज पढ़ने की अनुमति दी जाए।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई : सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई।

ट्रम्प के पास जंग जारी रखने के लिए 7 दिन

- **1 मई से पहले अमेरिकी संसद की मंजूरी जरूरी, पार्टी के 10 सांसद विरोध में**

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ट्रम्प ईरान को बार-बार सीजफायर की मोहलत देकर वार्ता को उतावले हो रहे हैं। परदे के पीछे इसका एक बड़ा सियासी गणित है, जो उन्हें सता रहा है। ट्रम्प संसद (सीनेट) की मंजूरी से कतरा रहे हैं। अमेरिकी संविधान के अनुसार, किसी भी युद्ध को 60 दिन में संसद की मंजूरी लेनी पड़ती है। यहां भी ट्रम्प ने खेल किया। युद्ध 28 फरवरी को छेड़ा, संसद को 2 मार्च को सूचित किया। अब 1 मई से पहले उन्हें संसद से युद्ध की मंजूरी लेनी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प संसद का सामना नहीं करना चाहते हैं। 100 सदस्यों वाली सीनेट में ट्रम्प के 53 सांसद हैं। जबकि विपक्षी कमला हैरिस की डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 47 हैं।

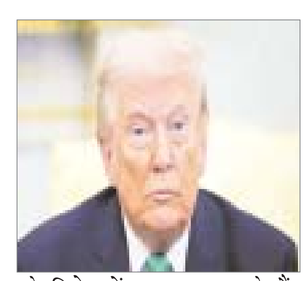

ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के ही लगभग 10 सांसद ईरान युद्ध के विरोध में आवाज उठा चुके हैं। जबकि विपक्षी डेमोक्रेट एकजुट रहने वाले हैं। ऐसे में अब ट्रम्प 1 मई से पहले किसी भी तरह युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। इस कानून में 60 दिन के बाद एक विकल्प और है। राष्ट्रपति एक बार के लिए 30 दिन का अतिरिक्त समय ले सकते हैं, लेकिन यह सिर्फ सैनिकों की सुरक्षित वापसी के लिए होता है, न कि युद्ध जारी रखने के लिए। एक और बड़ा सवाल यह है कि क्या ट्रम्प इस समय सीमा को नजरअंदाज कर सकते हैं। अमेरिका के कई राष्ट्रपति पहले भी यह दलील देते रहे हैं कि संविधान उन्हें सेना के प्रमुख के रूप में कई बड़े अधिकार देता है, इसलिए इस तरह की कानूनी सीमाएं पूरी तरह लागू नहीं होतीं।

मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए ने सुबूतों की अनदेखी की, हाई कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

मुंबई, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने 2006 के मालेगांव बम धमाकों के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उसे कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि एनआईए ने मामले की पूर्व की जांच एजेंसियों (एटीएस और सीबीआई) द्वारा जुटाए गए महत्वपूर्ण तथ्यों और सुबूतों की पूरी तरह अनदेखी की। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चांडक की खंडपीठ ने अंतिम चार आरोपितों को सभी आरोपों से मुक्त करते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने अपने विस्तृत आदेश में टिप्पणी की है कि एनआइए ने जांच का जिम्मा संभालने के बाद नए सिरे से ठोस साक्ष्य जुटाने के बजाय केवल सुनी-सुनाई बातों और बाद में वापस लिए गए बयानों पर भरोसा किया। हाई कोर्ट ने इसे एक 'रहस्य' बताया कि एनआईए ने एटीएस और सीबीआइ द्वारा पेश की गई 'थ्योरी' और सुबूतों की अनदेखी क्यों की। खंडपीठ ने स्पष्ट कहा कि दो अलग-अलग एजेंसियों द्वारा पेश की गई एक-दूसरे की विपरीत कहानियों के कारण यह मामला अब 'डेड एंड' (बंद गली) पर पहुंच गया है, जहां 37 लोगों की जान लेने वाले दोषियों का पता लगाना अब लगभग असंभव हो गया है। हाई कोर्ट ने इस मामले के चारों आरोपितों-राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवारिया और लोकेश शर्मा को इस आधार पर बरी कर दिया है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सुबूत नहीं थे। चारों पर हत्या और आपराधिक साजिश के साथ भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए थे। हाई कोर्ट ने

सितंबर 2025 के विशेष न्यायालय के उस आदेश को रद कर दिया, जिसमें चारों आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। बता दें कि आठ सितंबर, 2006 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में चार बम विस्फोट हुए थे, जिनमें से तीन शुक्रवार की नमाज के तुरंत बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर के अंदर हुए। चौथा विस्फोट मुशावरत चौक पर हुआ। इन धमाकों में 31 लोग मारे गए और 312 अन्य घायल हो गए थे। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चांडक की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि एनआइए ने आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) की जांच और आरोपपत्र को 'पूरी तरह से नजरअंदाज' कर दिया, जिसमें इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए नौ मुस्लिम युवकों द्वारा की गई पूरी साजिश का विस्तृत विवरण दिया गया है। बाद में मामले की जांच करने वाली एनआइए ने आरोप लगाया कि शक्तिशाली विस्फोटों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथी थे। हाई कोर्ट ने कहा कि अब मामला गतिरोध पर पहुंच गया प्रतीत होता है।

एटीएस और एनआइए द्वारा दायर आरोपपत्र में उल्लिखित एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत बयान किसी नतीजे पर नहीं पहुंचते। अदालत ने कहा कि एटीएस ने घटना स्थल से आपत्तिजनक सुबूत एकत्रित किए थे। घटना स्थल और नौ आरोपितों में से एक के गोदाम से एकत्रित किए गए मिट्टी के नमूनों में आरडीएक्स के अंश दिखाने वाले फोरेंसिक सुबूत भी मौजूद थे। हत्या जैसे गंभीर अपराधों के लिए आरोप तय करते समय ट्रायल कोर्ट को यह देखने के लिए सतर्क रहना चाहिए कि आरोपित के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सुबूत हैं या नहीं। हाई कोर्ट के फैसले के अनुसार विशेष एनआइए न्यायाधीश ने एनआईए द्वारा प्रस्तुत अभियोजन पक्ष की कहानी में निहित विरोधाभास को नजरअंदाज कर दिया। एटीएस और सीबीआई द्वारा जुटाए गए सुबूतों को ट्रायल कोर्ट द्वारा कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है, इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है। यह एक रहस्य है कि एनआईए ने नए सुबूत क्यों नहीं जुटाए।

फरीदाबाद में नीलम फ्लाईओवर पर दिनदहाड़े वारदात, कार पंचर होने पर लाखों का बैग ले उड़े बाइक सवार बदमाश

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में सेक्टर-15ए चौकी क्षेत्र में मथुरा रोड स्थित नीलम फ्लाईओवर पर दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। कार पंचर होने पर चालक के नीचे उतरकर हवा भरते ही अज्ञात बाइक सवार उसका बैग लेकर फरार हो गए। बैग में कंपनी का लैपटॉप, विदेशी मुद्रा और अहम दस्तावेज रखे थे। पुलिस को दी शिकायत में भगत सिंह कॉलोनी निवासी मनोज कुमार ने बताया कि वह इम्पीरियल ऑटो कंपनी में एनपीडी विभाग में डिपार्टमेंट हेड हैं। कंपनी के काम से वह 26 जनवरी 2026 को मैक्सिको गए थे और 18 फरवरी को लौटे थे। उनके पास कंपनी के दिए गए अमेरिकी और मैक्सिकन डॉलर में से कुछ रकम बची हुई थी, जिसे उन्होंने अभी तक कंपनी में जमा नहीं कराया था। 23 अप्रैल को वह अपनी कार से ओल्ड फरीदाबाद स्थित इम्पीरियल प्लांट से एलीट कंपनी की ओर जा रहे थे। नीलम फ्लाईओवर पर उनकी कार पंचर हो गई। वह नीचे उतरकर मशीन पंप से हवा भरने लगे। इसी दौरान बाइक पर आए दो अज्ञात आरोपी उनकी कार से बैग उठाकर फरार हो गए। मनोज ने उनका पीछा भी किया, लेकिन आरोपी चकमा देकर निकल गए। पीड़ित के अनुसार, बैग में कंपनी का एचपी लैपटॉप, चॉर्जर और माउस था। इसके अलावा ब्राउन रंग के पर्स में आईसीआईसीआई बैंक के दो एटीएम कार्ड, एचडीएफसी और आईडीएफसी के क्रेडिट कार्ड, एक्सिस बैंक का एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड और गाड़ी की आरसी रखी थी। पर्स में करीब छह से सात हजार रुपये नकद थे। वहीं, बैग में करीब अड़तालीस हजार रुपये नकद, करीब अठारह सौ से उन्नीस सौ अमेरिकी डॉलर और नौ हजार से दस हजार मैक्सिकन डॉलर भी थे। सेक्टर-15ए पुलिस चौकी ने शिकायत के आधार पर थाना सेंट्रल में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम मौके का निरीक्षण कर आरोपियों की तलाश में जुटी है। मामले की जांच एएसआई संजय कुमार को सौंपी गई है।

गुरुग्राम में अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई, 5 दिन में 6,000 मकानों के बाहर गरजा बुलडोजर

नया गुरुग्राम, एजेंसी। नया गुरुग्राम में अतिक्रमण के विरुद्ध टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (इन्फोर्समेंट) विभाग ने ऐसा व्यापक और आक्रामक अभियान चलाया है, जिसने पूरे सिस्टम को नई दिशा दे दी है। बताया दें कि लगातार पांच दिनों तक चले इस महाअभियान में 6,000 से अधिक मकानों के बाहर से अवैध कब्जे हटाए गए, जो गुरुग्राम के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। शहर में हर तरफ महाअभियान की प्रशंसा हो रही है। यहां तक कि लोग आवाज उठाने लगे हैं कि डीटीपीई अमित मधोलिया को अन्य इलाकों में भी महाअभियान चलाना चाहिए। अतिक्रमण की समस्या केवल लाइसेंसी कॉलोनियों में ही नहीं बल्कि पूरे शहर में है। पुलिस ने जीरो टालरेंस नीति के तहत मानेसर क्षेत्र के गांव कासन में सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जों को ध्वस्त किया गया साफ। जागरण अभियान डीएलएफ फेज-1 और फेज-2, साउथ सिटी-1, साउथ सिटी-2, सुशांत लोक, सुशांत

लोक-2, सुशांत लोक-3, सनसिटी, ग्रीनवुड सिटी, आरडी सिटी, विपुल वर्ल्ड, रोजवुड सिटी, निर्वाणा कंट्री, मालिबू टाउन, मेफील्ड गार्डन, गार्डन सिटी, उप्पल साउथेंड और पालम विहार सहित प्रमुख कॉलोनियों में एक साथ सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़कों के राइट आफ वे (आरओडब्ल्यू), ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को बड़े स्तर पर हटाया गया। मकानों के बाहर बढ़ाई गई बाउंड्री वॉल, अवैध गेट, गार्ड रूम, रैंप, फेंसिंग और अस्थायी ढांचों को ध्वस्त कर सड़कों को फिर से खोला और व्यवस्थित किया गया।

संकरी हो चुकी थीं सड़कें : कई इलाकों में वर्षों से संकरी हो चुकी सड़कें अब पहले से अधिक चौड़ी और सुगम नजर आ रही हैं, जिससे आम लोगों को राहत मिली है। सदर बाजार में मार्केटिंग के लिए पहुंचने वाले गांव सिरहौल निवासी राजकुमार का कहना है कि जिस तरह का महाअभियान लाइसेंसी कॉलोनियों में चलाया गया, उसी तरह का महाअभियान सदर बाजार सहित शहर के सभी इलाकों में चलना चाहिए। सेक्टर-15 पार्ट दो निवासी शंभु प्रसाद का कहना है कि डीटीपीई अमित मधोलिया के नेतृत्व में सदर बाजार, रेलवे रोड, खांडसा रोड सहित सभी इलाकों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाना चाहिए। राइट ऑफ वे के हिसाब से जब पूरे शहर में अभियान चलेगा, फिर लोग अतिक्रमण करने से पहले सोचेंगे।

संयुक्त कार्रवाई से मिली ताकत : इस पूरे अभियान में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के सीनियर टाउन प्लानर, डीटीपी इन्फोर्समेंट कार्यालय और डीटीपी प्लानिंग कार्यालय ने मिलकर संयुक्त रूप से कार्रवाई की, जिससे अभियान और अधिक प्रभावी बना। अतिक्रमण के विरुद्ध यह समन्वित कार्रवाई शहर की योजना और व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक प्रयास है। अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। जहां कार्रवाई बाकी है, वहां भी जल्द टीम पहुंचेगी। लोगों को खुद अतिक्रमण हटाना चाहिए, मौके पर अब समय नहीं दिया जाएगा। हमारे कार्यालय की ओर से स्टाफ समेत हर स्तर पर डीटीपी इन्फोर्समेंट के इस अभियान को मजबूत करने के लिए पूरा सहयोग दिया गया है।

जीएसटी फर्जीवाड़े में क्राइम ब्रांच सुस्त: 6 महीने में 10 केस में से सिर्फ 3 की जांच पूरी, बाकी फाइलों पर जीरो वर्क

गाजियाबाद, एजेंसी। जीएसटी में फर्जी पंजीकरण कर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के नाम पर हो रहे फर्जीवाड़े की जांच में क्राइम ब्रांच की रफ्तार सुस्त पड़ती दिख रही है। पुलिस आयुक्त द्वारा करीब छह माह पूर्व सौंपे गए 10 मामलों में से अब तक केवल तीन की जांच पूरी हो सकी है, जबकि बाकी केस लंबित हैं। इन फर्जीवाड़ों में

आरोपितों ने सरकार को लाखों रुपये के राजस्व की क्षति पहुंचाई है। अन्य 10 मामलों की जांच संबंधित थानों में चल रही है। बीते वर्ष जिले के विभिन्न थानों में जीएसटी फर्जीवाड़े के 20 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए थे। इनमें से 10 मामलों को गहन जांच के लिए क्राइम ब्रांच में सीबीआईटी (क्राइम ब्रांच इंवेस्टीगेशन टीम) को ट्रांसफर किया गया। हालांकि, अब तक सिर्फ तीन मामलों में ही जांच पूरी हुई है। एक मामले में आरोपित की मृत्यु हो चुकी है, जबकि दो मामलों में जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। बाकी मामलों में दस्तावेजी जांच, बैंक खातों की पड़ताल और फर्जी कंपनियों के नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का काम अभी जारी है। जांच में सामने आया है कि अधिकांश मामलों में आरोपितों ने सरकार से फर्जीवाड़ा कर इनपुट टैक्स क्रेडिट की धनराशि लेने के लिए फर्जी दस्तावेजों पर आइटीसी क्लेम लिया। इस तरह के मामलों में कई राज्यों तक फैले नेटवर्क और लेन-देन की जांच के चलते समय लगना स्वाभाविक है, लेकिन धीमी प्रगति सवाल खड़े कर रही है। पुलिस का दावा है कि जीएसटी फर्जीवाड़े के नेटवर्क को तोड़ने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर कार्रवाई की जा रही है, ताकि ऐसे मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। 'सभी मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है।

आतंकियों से निपटने, उनके कैंप नष्ट करने के अभ्यास के साथ पूरा हुआ 'डस्टलिक'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच आयोजित संयुक्त युद्धाभ्यास 'डस्टलिक' शुक्रवार को संपन्न हो गया। यह युद्धाभ्यास दोनों देशों की सेनाओं द्वारा उज्बेकिस्तान में किया जा रहा था। यहां जवानों ने बेहद तेज गोलीबारी को अंजाम दिया और गोलीबारी का त्वरित जवाब भी दिया। रॉकेट से हमले करने का युद्धाभ्यास किया गया। युद्ध क्षेत्र में मानव रहित यंत्रों व ड्रोन का उपयोग, घायल सैनिकों को सुरक्षित निकालने अभ्यास भी इस मिशन का हिस्सा रहा। युद्धाभ्यास के दौरान दुश्मन के ठिकानों की टोही और निगरानी व आतंकी कैंप में घुसकर कार्रवाई करने का अभ्यास भी किया गया। युद्धाभ्यास में पर्वतारोहण, रस्सी के सहारे उतरना, स्नाइपर कार्रवाई भी शामिल रही। भारतीय सेना का कहना है कि यह संयुक्त अभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के बीच सामरिक तालमेल और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। अभ्यास के दौरान सैनिकों ने अवैध सशस्त्र समूहों को निष्क्रिय करने से जुड़े विभिन्न ऑपरेशनों का अभ्यास किया। इससे वास्तविक परिस्थितियों में संयुक्त कार्रवाई की तैयारियों को और बेहतर बनाया जा सकेगा। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद-रोधी अभियानों में दोनों देशों के अनुभवों और श्रेष्ठ तरीकों का आदान-प्रदान करना था। युद्धाभ्यास में आधुनिक युद्धक रणनीतियों, समन्वित कार्रवाई और विभिन्न परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता पर विशेष ध्यान दिया गया। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार युद्धाभ्यास 'डस्टलिक' ने न केवल भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ किया, बल्कि दोनों सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी यानी एक साथ मिलकर प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता को भी बेहतर बनाया। इससे भविष्य में किसी भी संयुक्त मिशन या ऑपरेशन को अधिक कुशलता से अंजाम देने में मदद मिलेगी। समापन समारोह के दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने अभ्यास की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और इसे द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और गहरा करने की दिशा में अहम बताया। डस्टलिक का यह सातवां संस्करण है।

हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान

वॉशिंगटन में होसबाले बोले- आरएसएस हमेशा परंपरा की बात करता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत, उसकी संस्कृति, पड़ोसी देशों और वैश्विक संबंधों को लेकर कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने साफ शब्दों में आरएसएस की सोच और भारत की भूमिका को समझाने की कोशिश की। होसबाले ने कहा कि आरएसएस के अनुसार हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने बताया कि संगठन हमेशा संस्कृति, परंपरा और मूल्यों की बात करता है, न कि किसी एक धर्म की। उनके मुताबिक, भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच समय-समय पर तनाव रहा है, जिसकी वजह राजनीति, इतिहास की गलत समझ और आपसी

भरोसे की कमी है। उन्होंने कहा कि लगातार बातचीत और संवाद से इन समस्याओं को दूर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के एक पड़ोसी देश के साथ ज्यादा समस्याएं हैं, और इसके पीछे बाहरी ताकतों की भूमिका भी रही है, जिससे आपसी विश्वास कमजोर हुआ है।

भारत-अमेरिका संबंधों पर भी बोले होसबाले: भारत और अमेरिका के संबंधों पर बोलते हुए होसबाले ने कहा कि अगर दोनों देश मजबूत साझेदारी चाहते हैं, तो उन्हें भरोसे और समान अवसर के आधार पर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने लोगों के बीच सीधे संबंध बढ़ाने पर भी जोर दिया। आधुनिकता और संस्कृति के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि दोनों एक साथ चल सकते हैं और इनमें कोई टकराव नहीं है। उन्होंने बताया कि एशियाई समाजों में लंबे समय से यह संतुलन देखने को मिलता है। सनातन को उन्होंने ऐसा बताया जो हमेशा से है और समय के साथ आगे बढ़ता रहता है।

आरएसएस पर लगे आरोपों को किया खारिज: इसके साथ ही आरएसएस पर हिंदू श्रेष्ठतावाद के आरोपों को खारिज करते हुए होसबाले ने कहा कि हिंदू विचारधारा सभी में एकता देखने की बात करती है। उन्होंने कहा कि इतिहास में हिंदुओं ने न तो किसी देश पर हमला किया और न ही किसी को गुलाम बनाया, इसलिए उन्हें किसी बात के लिए माफी मांगने की जरूरत नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र: भारत ने कहा- सुरक्षा परिषद के ढांचे में तत्काल व्यापक सुधार जरूरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दुनिया के विकासशील देशों का नेतृत्व करते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के ढांचे में व्यापक सुधार की पुरजोर वकालत की है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान भारत ने कहा कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों को उचित प्रतिनिधित्व मिलना अनिवार्य है।

सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने राष्ट्रीय वक्तव्य देते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद का वर्तमान स्वरूप आज की वा स्तविकताओं से कोसों दूर है। इसमें तत्काल सुधार समय की मांग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार जॉर्ज ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो

गुटेरेस से मुलाकात की।

इस दौरान भारत ने बहुपक्षवाद के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। अंतर्सरकारी वार्ता (आईजीएन) के दौरान भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के विस्तार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मांग की कि स्थायी सदस्यता की श्रेणी में विकासशील देशों और विशेषकर अफ्रीकी देशों को स्थान दिया जाए।

हम विकासशील देशों की मदद के लिए प्रयासरत: रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर इन वार्ताओं की जानकारी देते हुए बताया कि भारत इंडिया-यूएन डेवलपमेंट पार्टनरशिप फंड और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) जैसे माध्यमों से विकासशील देशों की मदद के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कांग्रेस की नारी विरोधी सोच के कारण नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम पास नहीं हो पाया

चंडीगढ़, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला शक्ति को समुचित स्थान और यथोचित सम्मान दिया है। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों की नारी विरोधी सोच के चलते नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम पास नहीं हो पाया। विपक्ष ने तालियां बजाकर, मेजें थपथपाकर, हंसी उड़ाकर महिला शक्ति का अपमान किया। विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संसद में विपक्ष के नेता जिस तरह से अट्टहास कर रहे थे वह किसी दानवी अट्टहास से कम नजर नहीं आ रहा था। शुक्रवार को गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में प्रेसवार्ता को संबोधित करते है।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का अंदरूनी मतभेद का दावा; ड्रोन हमले के बाद कुवैत एयरपोर्ट में लगी आग

तेहरान, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना ने कहा है कि एशिया में अमेरिका द्वारा जब्त किया गया एक तेल टैंकर गलत तरीके से उसके देश का झंडा इस्तेमाल कर रहा था। यह टैंकर कथित तौर पर प्रतिबंधित ईरान के कच्चे तेल को ले जा रहा था, जिस कारण अमेरिका ने इसे जब्त किया। गुयाना के समुद्री प्रशासन विभाग ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह जहाज उनके देश में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) नहीं है। इसलिए इसका गुयाना का झंडा दिखाना पूरी तरह गलत और धोखाधड़ी है।

इस्राइली सेना का दावा- लेबनान में मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया: इस्राइल ने कहा कि उसने लेबनान में उस मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसने गुरुवार को इस्राइल की ओर मिसाइल दागी थी, जिसे इस्राइली एयर डिफेंस ने रोक दिया था। इस हमले की जिम्मेदारी

हिजबुल्ला ने ली है। इस्राइल की ओर से यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल-लेबनान के बीच संघर्षविराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के याते गांव पर हुए इस्राइली हमले के जवाब में इस्राइल पर रॉकेट दागे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी में एक बच्चे सहित दो लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नबातिये क्षेत्र में इस्राइली हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं, इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने उन तीन लड़ाकों को मार गिराया है, जिन्होंने इस्राइली विमान पर मिसाइल दागी थी।

अब तक क्या-क्या हुआः अमेरिकी-इस्राइली हमलों में दक्षिणी तेहरान में 12 लोगों की मौत हुई। फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस्राइली बलों ने लेबनान में बीते 24 घंटों में कम से कम 33 लोगों को मार गिराया, जिनमें एक 15 वर्षीय लड़का भी शामिल है। इस्राइली चिकित्सकों के मुताबिक, लेबनान से दागे गए रॉकेट हमले में उत्तरी इस्राइल में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो अन्य घायल हुए। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा कि ईरानी हमले में बहरीन में उसकी सेना के साथ काम कर रहा एक मोरक्को नागरिक मारा गया और कई सैनिक घायल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत जारी है और तेहरान समझौते के लिए उत्सुक है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने ट्रंप के दावों को 'अफवाह' करार दिया और कहा इनका इस्तेमाल तेल और वित्तीय बाजारों को प्रभावित करने के लिए हो रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जर्मन राष्ट्रपति के उस बयान का स्वागत किया, जिसमें अमेरिका-इस्राइल युद्ध को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया।

ड्रोन हमले के बाद कुवैत के हवाई अड्डे पर लगी आग: ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने बताया कि ड्रोन ने हवाई अड्डे पर एक ईंधन टैंक को निशाना बनाया, जिससे यह आग लगी। हवाई अड्डा के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने कुवैत न्यूज एजेंसी को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार नुकसान केवल संपत्ति तक सीमित है और कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया दी और दमकल दल व संबंधित एजेंसियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं।

बिजनेस सर्विस-मार्केट एंट्री सपोर्ट विषय पर प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन

छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप एवं उद्यमिता की दिशा में किया गया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 'बिजनेस सर्विस-मार्केट एंट्री सपोर्ट' विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं नवोदित उद्यमियों को व्यवसायिक सेवाओं में उपलब्ध अवसरों, बाजार में प्रवेश की रणनीतियों तथा स्टार्टअप प्रक्रिया से अवगत कराना रहा।

उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने की पहल: कार्यक्रम में इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार प्रजापति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बिजनेस सर्विस सेक्टर तेजी से विकसित हो रहा है और इसमें युवाओं के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि नवाचार और सही दिशा में किए गए प्रयास किसी भी विचार को सफल व्यवसाय में बदल सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर प्रेरित करते हुए कहा कि इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्देश्य छात्रों के विचारों को व्यावहारिक रूप देकर उन्हें बाजार तक पहुंचाने में सहायता करना है।

मार्केट एंट्री की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा: सहायक नोडल अधिकारी डॉ. ग़ुलाम मोहिउद्दीन ने 'मार्केट एंट्री सपोर्ट' की अवधारणा को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यवसाय की सफलता उसके सही समय पर और प्रभावी रणनीति के साथ बाजार में प्रवेश करने पर निर्भर करती है। उन्होंने बाजार अनुसंधान, ग्राहक व्यवहार की समझ, प्रतिस्पर्धा विश्लेषण तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं स्टार्टअप सहायता कार्यक्रमों की जानकारी देकर विद्यार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे, जिनका समाधान मौके पर ही किया गया। इससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी हुआ।

निरंतर आयोजन की प्रतिबद्धता: कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे उपयोगी एवं मार्गदर्शक कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को स्वरोजगार, स्टार्टअप और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ।

मड़वास स्टेशन पर साप्ताहिक ट्रेनों के ठहराव की मांग क्षेत्रवासियों ने रेल मंत्री के नाम दिया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मड़वास रेलवे स्टेशन पर साप्ताहिक ट्रेनों के ठहराव की मांग अब जोर पकड़ रही है। शुक्रवार को रॉयल राजपूत संगठन मड़वास के अध्यक्ष लवकेश सिंह लकी के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने रेलवे स्टेशन प्रबंधक को रेल मंत्री के नाम एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया गया कि मड़वास रेलवे स्टेशन, कटनी-चोपन रेलखंड पर सीधी जिले का एकमात्र रेलवे स्टेशन है मड़वास न केवल मझौली जनपद की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र भी है। यहां तहसील और थाना मुख्यालय होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। इसके बावजूद, कई महत्वपूर्ण साप्ताहिक ट्रेनें मड़वास स्टेशन से गुजरती तो हैं लेकिन उनका ठहराव यहां नहीं है इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने धनबाद-मुंबई एलटीटी, कोलकाता-मदार, अहमदाबाद-कोलकाता, संतरागाछी-अजमेर, अजमेर-रांची और हावड़ा-भोपाल सहित अन्य प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन ट्रेनों का मड़वास में ठहराव होने से जिले के लोगों को देश के विभिन्न बड़े शहरों से सीधा संपर्क मिल सकेगा। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि क्षेत्र के व्यापार और विकास को भी गति मिलेगी।

युवक को बंधक बनाकर मारपीट, लूट: पुलिस ने हल्की धाराएं लगाईं, घटना का फुटेज आया सामने

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में एक गंभीर आपराधिक मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित विवेक गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें और उनके भाई को दो दिनों तक बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया उनके मोबाइल से जबरन पैसे ट्रांसफर कराए गए और जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में पुलिस द्वारा हल्की धाराएं दर्ज करने से निष्पक्ष जांच पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं इस पूरी घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है जिसमें पूरी घटना रिकॉर्ड है पीड़ित विवेक गुप्ता के अनुसार यह विवाद 'बंसल सेल्स' में वर्किंग पार्टनर के तौर पर काम करते समय मुनाफे और हिस्सेदारी को लेकर शुरू हुआ था। 14 मार्च की शाम बाजार में विकास बंसल, मनोज बंसल और उनके साथियों ने उन्हें घेरकर हमला किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों भाइयों को बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया। बंधक बनाने के दौरान आरोपियों ने उनके मोबाइल से करीब 3.21 लाख रुपए की राशि जबरन ट्रांसफर करा ली और उनके निजी सामान भी छीन लिए। इस पूरी घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें मारपीट और बंधक बनाने की गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। सीसीटीवी फुटेज और गंभीर आरोपों के बावजूद, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की हल्की धाराओं 296, 115(2) और 351(3) के तहत ही मामला दर्ज किया है। इससे पुलिस की कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं और पीड़ित परिवार में असंतोष है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनकी छवि खराब करने के लिए बाजार में यह झूठी अफवाह फैलाई कि वह 20 लाख रुपए लेकर फरार हो गए इस कारण उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरा नुकसान पहुंचा है जांच में गंभीर धाराएं जोड़ी जाएंगी इस मामले पर मोरवा थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया, 'शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

महिला ने घर में फांसी लगाकर दी जान :मंजीरा गांव में पुलिस ने जांच शुरू की

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के केशवाही चौकी क्षेत्र के मंजीरा गांव में एक 35 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान सुखवारिया बाई, पति कमलेश सिंह गोंड (35 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया है कि घटना के समय घर में कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। इसी दौरान महिला ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि महिला की मानसिक स्थिति कुछ समय से ठीक नहीं थी। आशंका है कि इसी कारण उसने यह कदम उठाया होगा। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

अधेड़ का संदिग्ध शव जंगल में मिला: पुलिस ने हत्या की जताई आशंका

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अनूपपुर जिले के खैरहा थाना क्षेत्र में सुबह बरतरा जंगल के करकटी रोड किनारे एक अधेड़ का संदिग्ध शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान बैरागी गांव निवासी बुद्धू लाल विश्वकर्मा के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, वे बुधवार को किसी काम से धनपुरी जाने की बात कहकर घर से निकले थे लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर उनकी तलाश भी की। सुबह जंगल में शव मिलने की खबर फैलते ही क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। मृतक के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं जिससे मामला संदिग्ध हो गया है। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे हत्या मानकर जांच कर रही है। खैरहा थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के इलाके से साक्ष्य जुटाने के साथ ही ग्रामीणों और परिजनों से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी उमा शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

कलेक्टर के निर्देश-मैदानी स्तर पर बढ़ाएं संवेदनशीलता, योजनाओं का हो प्रभावी क्रियान्वयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बहरी तहसील के भ्रमण के दौरान तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व प्रकरणों, नामांतरण, सीमांकन सहित अन्य लंबित मामलों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद कलेक्टर ने खंड स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं का क्रियान्वयन केवल औपचारिकता न होकर संवेदनशीलता, जवाबदेही और जनहित की भावना के साथ किया जाना चाहिए। अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे आमजन से जुड़े मामलों में सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि मैदानी स्तर पर कार्य करते समय आमजन की समस्याओं को समझना और उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विभागीय समन्वय को मजबूत करने, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने और फील्ड विजिट बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर और परिणामकारी हो सके।

खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित, प्रतिभावान खिलाड़ियों को मिलेगा प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2025 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह खेलवृत्ति उन खिलाड़ियों को प्रदान की जाएगी जिन्होंने 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किया है। विभाग द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अधिकृत खेल संघों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके अंतर्गत स्वर्ण पदक विजेताओं को 10 हजार रूपये, रजत पदक विजेताओं को 8 हजार रूपये, और कांस्य पदक विजेताओं को 6 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इच्छुक एवं पात्र खिलाड़ी अपने आवेदन 31 मई 2026 तक जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, जिला सीधी (पुलिस अधीक्षक कैंपस) के कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त एवं जमा किए जा सकते हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी) सीधी ने जिले के सभी पात्र खिलाड़ियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन कर खेलवृत्ति का लाभ प्राप्त करें।

कलेक्टर का बहरी तहसील क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण एवं जनसंवाद, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टरविकास मिश्रा द्वारा जिले की बहरी तहसील अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं और जनसुविधाओं की स्थिति का गहन जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, उपार्जन व्यवस्था, निर्माण कार्यों और ग्रामीण विकास गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहरी का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। परिजनों द्वारा दिए गए सकारात्मक फीडबैक के आधार पर कलेक्टर ने चिकित्सकों और स्टाफ की सराहना की और उन्हें सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद कलेक्टर ने पतुलखी स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन कार्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए किसानों के हित और सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने समय पर तौल, भुगतान और सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर ने लौआ में निर्माणाधीन आईटीआई भवन का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही चंदवाही में आयोजित जनचौपाल के दौरान कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्या के समाधान के निर्देश दिए।

रीवा-मुंबई सुपरफास्ट ट्रेन को सांसद ने दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा रेलवे स्टेशन से रीवा-मुंबई-रीवा सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (गाड़ी क्रमांक 20153/54) के नियमित संचालन का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। लंबे समय से चली आ रही सीधी कनेक्टिविटी की मांग पूरी होने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। इस पहल पर सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार जताया। सांसद ने कहा कि अब यात्रियों को ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रीवा से सीधे मुंबई तक कम समय में सुविधाजनक यात्रा संभव होगी जिससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। मुंबई देश का बड़ा मेडिकल हब है। सांसद के मुताबिक इस ट्रेन से विंध्य के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए सीधे मुंबई पहुंचने में आसानी होगी और समय-खर्च दोनों बचेंगे। सांसद ने कहा कि मुंबई शिक्षा और रोजगार का प्रमुख केंद्र है। इस ट्रेन के संचालन से छात्रों और युवाओं को पढ़ाई व नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे। नई रेल सेवा से व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी। स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजार मिलेंगे और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

ट्रेन संचालन: सप्ताह में एक दिन, करीब 20 घंटे का सफर: यह सुपरफास्ट ट्रेन सप्ताह में एक दिन संचालित होगी। रीवा से ट्रेन दोपहर करीब 3:50 बजे रवाना होकर अगले दिन मुंबई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) लगभग 12:20 बजे पहुंचती है। वहीं वापसी में मुंबई से दोपहर करीब 1:30 बजे चलकर अगले दिन सुबह करीब 9:45 बजे रीवा पहुंचती है। करीब 1235 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, इटारसी, खंडवा, भुसावल, नासिक और कल्याण जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरती है। सांसद ने कहा कि यह ट्रेन विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगी और कनेक्टिविटी मजबूत कर क्षेत्र को नई गति देगी।

गेहूं उपार्जन कार्य शुरू, 12 मई तक समर्थन मूल्य पर खरीदी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, भोपाल के निर्देशों के अनुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में भारत सरकार द्वारा निर्धारित औसत अच्छी गुणवत्ता (थ्ाफ) गेहूं का समर्थन मूल्य पर उपार्जन 15 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 12 मई 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा 15,196 किसानों की सूची सेटेलाइट सत्यापन के लिए भेजी गई थी, जिसका सत्यापन शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। जिन किसानों ने अब तक स्लॉट बुक नहीं किया है वे शीघ्र स्लॉट बुक कर अपने गेहूं का विक्रय कर सकते हैं। वर्तमान में 2 हेक्टेयर तक के कृषकों के स्लॉट बुक किए जा रहे हैं जबकि 2 हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले किसानों के लिए भी जल्द ही स्लॉट बुकिंग शुरू की जाएगी। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे समय रहते स्लॉट बुक कर समर्थन मूल्य का लाभ उठाएं।

शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर

संपादकीय

यह सही है कि हाल के समय में देश में तेजी के साथ बड़ी संख्या में निजी स्कूल और साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान खुले हैं, पर उनमें भी शोध का स्तर संतोषजनक नहीं। निजी शिक्षा संस्थानों का नियमन भी सही तरह नहीं हो रहा है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आने के बाद यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का भी रिजल्ट आ गया। कुछ अन्य बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी आ चुके हैं। जो परिणाम अभी तक आए हैं, उनमें प्रतिभाशाली छात्रों की बड़ी संख्या दिख रही है। वे बधाई और प्रशंसा के पात्र बनने के साथ अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रहे हैं। यह स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि क्या देश में वैसी प्रतिभाओं का विकास हो रहा है, जैसी आज के युग में आवश्यक हैं और जो देश के वैज्ञानिक एवं तकनीकी उत्थान में सहायक बन सकें?

हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वैसी गुणवत्तापरक शिक्षा नहीं दी जा पा रही है, जैसी समय की मांग है। एक समस्या यह भी है कि बड़ी संख्या में छात्र विदेश पढ़ने के लिए जाते हैं। उच्च शिक्षा के लिए पश्चिमी देशों के साथ विकासशील देशों में भी पढ़ने जाने का चलन बढ़ा है। आखिर ऐसा क्यों है, इस पर न केवल गहनता से विचार होना चाहिए, बल्कि उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते ऐसा हो रहा है। इसी के साथ यह भी देखना होगा कि शिक्षा संस्थानों में शोध एवं विकास की गुणवत्ता कैसे बढ़े।

भारत शोध पत्रों की संख्या के मामले में तो तीसरे स्थान पर है, लेकिन उनकी गुणवत्ता के पैमाने पर कहीं पीछे है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारत अपनी जीडीपी का एक प्रतिशत भी शोध पर खर्च नहीं करता, जबकि कई विकासशील देश 4-5 प्रतिशत तक करते हैं। शिक्षा संस्थानों में उन्नत प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण का अभाव भी गुणवत्तापूर्ण शोध में बाधक बन रहा है।

यह सही है कि हाल के समय में देश में तेजी के साथ बड़ी संख्या में निजी स्कूल और साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान खुले हैं, पर उनमें भी शोध का स्तर संतोषजनक नहीं। निजी शिक्षा संस्थानों का नियमन भी सही तरह नहीं हो रहा है। इसका एक उदाहरण निजी स्कूलों की मनमानी का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से संज्ञान लिया जाना है। आयोग ने यह पाया कि प्राइवेट स्कूल छात्रों और अभिभावकों पर इसके लिए दबाव बनाते हैं कि वे निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदें। आयोग ने इसे लेकर सभी राज्यों को नोटिस जारी की है। कहना कठिन है कि इस कदम के कोई सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे या नहीं? जो भी हो, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह भी देखना चाहिए कि स्कूली स्तर पर कोचिंग संस्कृति जिस तरह फलती-फूलती जा रही है, वह कोई शुभ संकेत नहीं।

संसार में मृत्य अटल सत्य है– मानवीय मृत्यु का अनसुल्झा रहस्य बरकार

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई और जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती है ऐसा सदियों से हजारों वर्षों से होता आया है और वर्तमान काल में भी हो रहा है। इस संसार में मृत्य अटल सत्य है जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन लोगों के मन हमेशा एक सवाल उठता है कि आखिर मौत के बाद क्या होता है। अगर आत्म होती है, तो कहां जाती है। मौत के बाद मनुष्य का शरीर शिथिल हो जाता है। इस पर पहले कई शोध हुए हैं जो अभी भी जारी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रकृति के कई अनसुलझे रहस्य हैं जिसे सुलझाना अभी भी बाकी है। उन्हीं में से एक है आत्मा और मौत। जब किसी मानवीय जीव की मृत्यु हो जाती है तो आदि अनादि काल से यह भी सच है कि उसी कुनबे में अति संवेदनशील दुखों का पल छा जाते हैं और उनका कुनबा यह सोचने पर मज़बूर हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या इस शरीर में से निकल गया जो यह शरीर निर्जीव हो गया जो आज के वर्तमान परिपेक्ष में भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है! जिसके विज्ञान, विशेषज्ञों, जानकारों के अलग अलग तर्क दिए गए हैं परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता में यह ईश्वर अल्लाह की देन है और कहा गया है कि हम मानवीय जीव उसके हाथ के बने खिलौने हैं जिनका वह जीवन फिक्स कर देता है और समय आने पर उसे तोड़ देता है याने मृत्यु!आदि अनादि कहां से बुजुर्गों आध्यात्मिकता व कहावतों द्वारा यह कहा जाता है कि मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसके मस्तक पर उसके पूरे जीवन की भविष्य रेखा लिखी रहती है और वह रेखा समाप्त होते ही उसकी मृत्यु हो जाती है,परंतु आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो यह नाम सुनते ही दिल दहल जाता है, कांप जाता है। जिस तरह हमने कोरोना महामारी कॉल की पीक़ स्थिति में मृत्यु का तांडव देखे, तो दिल पसीज़ गया था। हमनें फिल्म उद्योग की पुरानी फिल्म पुष्पांजलि का दर्द भरा गीत, दुनिया से जाने वाले, जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको नहीं होते नामोनिशान और चिट्ठी न कोई संदेश, ना जाने कौन सा देश, जहां तुम चले गए सुनें होंगे जो दुखों के पलों में अक्सर याद आते हैं। हालांकि इन गीतों से भी वही प्रश्न गूंज रहा है कि आखिर मानवीय शरीर में से ऐसा क्या निकल जाता है और कहां चला जाता है जो शरीर निर्जीव हो जाता है! उसका रहस्य आज भी अनसुलझा है! और मेरा मानना है कि शायद कभी सुल्झेगा भी नहीं चाहे कितना भी प्रौद्योगिकी विज्ञान का उपयोग किया जाए?

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो, मृत्यु शब्द नही बल्कि, मीडिया में जानकारी के अनुसार, मृत्यु एक परम पवित्र मंगलकारी देवी है। सामान्य भाषा मे किसी भी जीवात्मा अर्थात प्राणी के जीवन के अन्त को मृत्यु कहते हैं। मृत्यु सामान्यतः वृद्धावस्था, लालच, मोह,रोग कुपोषण के परिणामस्वरूप होती है।मुख्यतया मृत्युके 101 स्वरूप होते है, लेकिन मुख्य 8 प्रकार की होती है। जिसमे बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मती आघात, शोक,चिंता, और लालच मृत्यु के मुख्य रूप है।

साथियों बात अगर हम विज्ञान विशेषज्ञों, जानकारों की करें तो उनका अलग-अलग तर्क है, हालांकि विज्ञान के अनुसार, मृत्यु का अर्थ है जीवित प्राणी के शरीर की सभी जैविक प्रक्रियाओं का समाप्त हो जाना। जैविक प्रक्रिया को दिल के धड़कने, मस्तिष्क के निर्णय लेने की क्षमता, किडनी और लीवर जैसे अंगों के सुचारु ढंग से काम करने में समझा जा सकता है। ये प्रक्रियाएं समाप्त होते ही हमारी मृत्यु हो जाती है। विशेषज्ञों की जानकारी के अनुसार,शरीर की जैविक प्रकियाएं कई कारणों से रुक सकती हैं। उम्र का ढल जाना यानी बूढ़ा हो जाना, किसी दूसरे व्यक्ति का प्राणघातक हमला, कुपोषण, बीमारी, आत्महत्या, भूख, प्यास, दुर्घटना या आघात आदि से ये प्रकिया रुक सकती है। मृत्यु के बाद शरीर तेजी से विघटित होता है, और कई तत्वों में टूट जाता है। भारतीय दर्शन में ये संकल्पना है ही कि शरीर का निर्माण पंचतत्वों से हुआ है और अंततः उन्हीं तत्वों में विलीन हो जाता है।

भीषण गर्मी का प्रकोप: तपते शहर, बदलती दिनचर्या और राहत की तलाश में आमजन

उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और मध्य भारत तक इन दिनों गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है, हवा में तपिश घुली हुई है और दोपहर का समय तो जैसे आग उगलता प्रतीत होता है। हालात ऐसे हैं कि लोग जरूरी कामों के अलावा घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं, वे छाता, गमछा या कपड़े से खुद को ढककर ही बाहर कदम रख रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग इस भीषण गर्मी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं।

कांतिलाल मांडोत

लखनऊ में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मौसम विभाग के अनुसार यह सामान्य से कई डिग्री अधिक है, जिससे गर्मी की तीव्रता और भी अधिक महसूस हो रही है। स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है ताकि बच्चों को दोपहर की तेज धूप से बचाया जा सके। अब स्कूल सुबह जल्दी शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे तक बंद हो जा रहे हैं। इसके बावजूद जब बच्चे स्कूल से घर लौटते हैं, तब तक सूरज अपनी पूरी तपिश के साथ मौजूद रहता है और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बच्चे थकान, पसीना और चक्कर जैसी समस्याओं से जूझते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ लखनऊ ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी हालात कुछ ऐसे ही बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक तापमान में कोई खास गिरावट की संभावना नहीं है। प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने के आसार हैं, जो लोगों के लिए और भी खतरनाक साबित हो सकती है। गर्म हवाओं के थपेड़े दिन के साथ-साथ रात में भी राहत नहीं दे रहे हैं, जिससे लोगों की नींद और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

देश के अन्य हिस्सों में भी गर्मी का यही हाल है। राजस्थान के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है और कुछ जगहों पर यह 45 डिग्री तक जाने की आशंका जताई जा रही है। कोटा जैसे शहरों में पारा 42 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन और रात के तापमान में भारी अंतर भी देखा जा रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है।

वहीं, गुजरात में भी गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। अस्पतालों में 'हीट वार्ड' बनाए गए हैं ताकि लू के मरीजों का तुरंत इलाज किया जा सके। डिहाइड्रेशन के मामलों को देखते हुए ओआरएस कॉर्नर भी स्थापित किए गए हैं, जहां लोगों को मुफ्त में ओआरएस उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कदम इस बात का संकेत है कि प्रशासन गर्मी की गंभीरता को समझते हुए पहले से तैयारी कर रहा है।

हालांकि देश के कुछ हिस्सों में स्थिति अलग भी है। पूर्वोत्तर भारत में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं और गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यह स्थिति बताती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज कितना भिन्न हो सकता है–कहीं लोग तपती गर्मी से जूझ रहे हैं तो कहीं बारिश और बाढ़ से।

इस भीषण गर्मी का असर सिर्फ दैनिक जीवन पर ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। काशी विश्वनाथ धाम में गर्मी को देखते हुए भगवान का शीतल पेयों और फलों के रस से अभिषेक किया जा रहा है, ताकि भक्तों को भी कुछ राहत और आध्यात्मिक सुकून मिल सके। यह भारतीय संस्कृति का एक अनूठा पहलू है, जहां प्रकृति की परिस्थितियों के अनुसार परंपराओं में भी बदलाव किया जाता है।

गर्मी का यह प्रकोप केवल असुविधा ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। लू लगना, डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर वे लोग जो लंबे समय तक धूप में काम करते हैं–जैसे मजदूर, रिक्शा चालक, डिलीवरी कर्मी–उनके लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण है। बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति भी चिंताजनक है क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता इस तरह की गर्मी को सहन करने में कम होती है।

ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ सावधानियां अपनाकर खुद को इस भीषण गर्मी से बचाएं। सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि दोपहर 11 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक बाहर निकलने से बचें। यदि बहुत जरूरी हो तो सिर को ढककर ही बाहर निकलें–छाता, टोपी या गमछे का उपयोग करें। शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है, इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। इसके साथ ही नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थों का सेवन करना फायदेमंद होता है। खान-पान पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। हल्का और सुपाच्य भोजन करें, जिसमें पानी की मात्रा अधिक हो–जैसे फल, सलाद, दही आदि। तली-भुनी और भारी चीजों से परहेज करें क्योंकि ये शरीर में गर्मी बढ़ाती हैं। घर के अंदर भी ठंडक बनाए रखने के लिए खिड़कियों पर पर्दे लगाएं और दिन के समय उन्हें बंद रखें ताकि बाहर की गर्म हवा अंदर न आ सके।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। उन्हें धूप में खेलने या बाहर जाने से रोकें और समय-समय पर पानी पिलाते रहें। यदि किसी को चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं और डॉक्टर से संपर्क करें।

कुल मिलाकर, देश इस समय भीषण गर्मी के दौर से गुजर रहा है, जो आने वाले दिनों में और भी तीव्र हो सकता है। प्रशासन अपने स्तर पर प्रयास कर रहा है, लेकिन व्यक्तिगत सावधानी और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। यदि हम समय रहते सतर्क हो जाएं और जरूरी उपाय अपनाएं, तो इस तपती गर्मी के असर को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम: नाम, प्रक्रिया और राजनीति के बीच की सच्चाई

मुकेश मिश्रा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर देश में इन दिनों व्यापक चर्चा और भ्रम की स्थिति बनी हुई है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कोई अलग से पारित कानून नहीं है, बल्कि यह वह लोकप्रिय नाम है जो सरकार ने संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 को दिया था। यह विधेयक संसद द्वारा सितंबर 2023 में पारित हुआ और 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद इसे आधिकारिक रूप से संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 के रूप में राजपत्र में प्रकाशित किया गया। संवैधानिक और कानूनी दस्तावेजों में इसी नाम का उपयोग होता है, जबकि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक राजनीतिक या लोकप्रिय संज्ञा है, जिसका कोई संवैधानिक महत्व नहीं है।16 अप्रैल 2026 को भारत सरकार के विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने की अधिसूचना जारी की गई। यह एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी कानून को प्रभावी बनाया जाता है। इस प्रक्रिया में कोई असामान्यता नहीं है और यह पूरी तरह कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है।

इसी बीच, 16 और 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में एक विशेष सत्र बुलाया गया, जिसमें सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 प्रस्तुत किया। इस संशोधन का उद्देश्य 2023 के अधिनियम के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से जनगणना और परिसीमन से जुड़े मुद्दों में बदलाव करना था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में आवश्यक बहुमत प्राप्त नहीं कर सका और पारित नहीं हो पाया।

यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी अधिनियम के लागू होने से पहले या बाद में उसमें संशोधन लाने का प्रयास करना विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे मूल कानून की वैधता या अस्तित्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। 2023 का अधिनियम आज भी पूरी तरह अस्तित्व में है और प्रभावी है।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने आगामी चुनावों, विशेष रूप से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। वहीं, सरकार ने विपक्ष पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते हुए देशभर में जनमत तैयार करने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्ष पर लगाए गए आरोपों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। इसके जवाब में कांग्रेस ने उनके खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विशेषाधिकार प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। साथ ही, चुनाव आयोग में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत भी दर्ज कराई गई है। मामला अब न्यायिक दायरे में भी पहुंच गया है, जहां सर्वोच्च न्यायालय में यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या प्रधानमंत्री द्वारा सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया गया।

मौत का मच्छर, लापरवाही का खतरा: मलेरिया पर निर्णायक वार का समय

मलेरिया आज भी उन पुरानी और अत्यंत खतरनाक बीमारियों में से एक है, जो हर वर्ष लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है और असंख्य परिवारों को शोक में डुबो देता है। यह एक ऐसा रोग है, जो पूरी तरह रोके जाने योग्य होने के बावजूद आज भी वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में मौजूद है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मलेरिया से होने वाली अधिकांश मौतें छोटे बच्चों में होती हैं, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में, जो इस बीमारी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। मलेरिया का संबंध एक सूक्ष्म लेकिन अत्यंत घातक परजीवी से है, जो संक्रमित मादा एनोफेलीज मच्छर के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करता है।

विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) पर विशेष

श्वेता गोयल

जब यह मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो प्लाज्मोडियम नामक परजीवी रक्त में पहुंचकर पहले यकृत पर हमला करता है और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि मलेरिया केवल एक साधारण बुखार नहीं बल्कि शरीर की आंतरिक संरचना को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाला रोग है।

वैश्विक स्तर पर मलेरिया की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। हाल के वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष करोड़ों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं और लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। 2024 में मलेरिया से लगभग 6.1 लाख मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि यह बीमारी अभी भी नियंत्रण से बाहर हो सकती है, यदि इसके प्रति जरा भी लापरवाही बरती जाए। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है क्योंकि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में उत्पादकता घटाता है, स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ाता है और गरीबी के चक्र को गहरा करता है। मलेरिया की सबसे खतरनाक विशेषता इसकी जटिलता और विविधता है। प्लाज्मोडियम के कई प्रकार होते हैं, जिनमें से फाल्सीपेरम सबसे घातक माना जाता है। यदि इसका समय पर उपचार न किया जाए तो यह गंभीर एनीमिया, किडनी फेल्योर, मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं और अंततः मृत्यु का कारण बन सकता है। यही कारण है कि मलेरिया के उपचार में देरी या लापरवाही सीधे जीवन के लिए खतरा बन जाती है। कई बार लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बुखार समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बनता है।

हालांकि आशा की किरण भी उतनी ही मजबूत है। विज्ञान ने मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। नए टीकों का विकास, उन्नत दवाएं, कीटनाशक युक्त मच्छरदानियां और डिजिटल निगरानी प्रणाली इस दिशा में बड़ी प्रगति का संकेत हैं। मलेरिया के लिए विकसित कुछ टीकों ने यह साबित किया है कि मलेरिया को नियंत्रित करना अब केवल कल्पना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकता है। कई देशों में इन टीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है और लाखों बच्चों को इससे सुरक्षा भी मिल रही है। इसके अतिरिक्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग मलेरिया संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में किया जा रहा है। इससे समय रहते रोकथाम के उपाय किए जा सकते हैं। आनुवंशिक रूप से संशोधित मच्छरों पर भी शोध जारी है, जिनके माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित करने की संभावना तलाश की जा रही है। ये सभी प्रयास इस बात के संकेत हैं कि यदि वैश्विक समुदाय एकजुट होकर कार्य करे तो मलेरिया को जड़ से समाप्त करना संभव है।

इसके बावजूद, चुनौतियां कम नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और कीटनाशकों के प्रति मच्छरों की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता इस लड़ाई को और कठिन बना रही है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव के कारण मच्छरों का फैलाव नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है, जिससे मलेरिया का खतरा भी बढ़ रहा है। इसके अलावा, कई विकासशील देशों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जागरूकता का अभाव और आर्थिक संसाधनों की सीमाएं इस बीमारी के नियंत्रण में बाधा बनती हैं। यही कारण है कि विश्व मलेरिया दिवस 2026 की थीम 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम केवल एक नारा नहीं बल्कि एक चेतावनी है कि अब और देरी की गुंजाइश नहीं है। हमारे पास संसाधन हैं, तकनीक है और अनुभव भी है, आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वित प्रयास की है।

मलेरिया के लक्षणों में तेज बुखार, कंपकंपी, अत्यधिक पसीना, सिरदर्द, उल्टी और कमजोरी शामिल हैं। कई मामलों में यह रोग इतनी तेजी से गंभीर रूप ले लेता है कि मरीज को संभलने का अवसर तक नहीं मिलता। मलेरिया से बचाव के उपाय अत्यंत सरल लेकिन प्रभावी हैं। साफ-सफाई का ध्यान रखना, घर और आसपास पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग करना, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनना और समय-समय पर कीटनाशकों का छिड़काव करना इस बीमारी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से बरसात और गर्मी के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक है,त्र क्योंकि यही वह समय होता है, जब मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ती है। किसी भी प्रकार के बुखार को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यदि तेज बुखार, ठंड लगना या अन्य लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच करानी चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार शुरू करना चाहिए। शुरुआती चरण में ही सही उपचार मिलने से मलेरिया को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थाओं की भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, दूरस्थ क्षेत्रों में जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना, जागरूकता अभियान चलाना और मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त बजट सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसके साथ ही, समुदाय की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है, क्योंकि बिना जनसहयोग के कोई भी स्वास्थ्य अभियान सफल नहीं हो सकता। वैश्विक स्तर पर मिली सफलताएं यह दर्शाती हैं कि यदि निरंतर प्रयास किए जाएं तो मलेरिया को नियंत्रित करना संभव है। कई देशों ने इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया है और अनेक देश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह उपलब्धियां हमें प्रेरित करती हैं कि हम भी इस दिशा में ठोस कदम उठाएं और मलेरिया मुक्त भविष्य की ओर बढ़ें। मलेरिया के खिलाफ यह लड़ाई केवल चिकित्सा या विज्ञान की नहीं बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक संकल्प की लड़ाई है। यदि हम समय रहते सावधानी बरतें, लक्षणों को नजरअंदाज न करें और उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न करें तो हजारों-लाखों जानें बचाई जा सकती हैं। अब समय आ गया है कि हम इस बीमारी को एक सामान्य समस्या मानने की भूल न करें बल्कि इसे एक गंभीर चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए इसके उन्मूलन के लिए एकजुट हों। मलेरिया का अंत संभव है लेकिन इसके लिए हमें अपनी आदतों, नीतियों और प्राथमिकताओं में बदलाव लाना होगा। जब हर नागरिक जागरूक होगा, हर समुदाय सक्रिय होगा और हर सरकार प्रतिबद्ध होगी, तभी यह सपना साकार होगा। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि मानवता के भविष्य का प्रश्न है। अब हमें यह तय करना है कि हम इस चुनौती के सामने झुकेंगे या इसे परास्त कर एक स्वस्थ, सुरक्षित और मलेरिया मुक्त विश्व का निर्माण करेंगे।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

‘बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़’ अभियान : मुकुंदरपुर में जागरूकता कार्यक्रम, ग्रामीणों को दिलाई गई शपथ

बाल विवाह को बताया सामाजिक बुराई व कानूनी अपराध, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के उपयोग की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत मुकुंदरपुर में ‘बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़’ अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा किया गया जो जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के निर्देशानुसार हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अभियान के उद्देश्य को समझा। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह की कुप्रथा पर गहन चर्चा की गई। अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे समाज के लिए एक घातक बुराई बताया और ग्रामीणों को इसके खिलाफ जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह न केवल एक गंभीर सामाजिक बुराई बल्कि यह कानूनी रूप से दंडनीय अपराध भी है। बाल विवाह के प्रभाव पर चर्चा करते हुए बताया गया कि इससे बालिकाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा समग्र विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098: तत्काल सहायता के लिए जरूरी जानकारी: कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1098 के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बाल संरक्षण से जुड़े किसी भी प्रकार के मामले या आपात स्थिति में इस नंबर पर तुरंत संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि यदि वे किसी बाल विवाह या बाल शोषण की घटना के गवाह हैं, तो उन्हें तुरंत प्रशासन को सूचित करना चाहिए ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर उपस्थित सभी ग्रामीणों से बाल विवाह को समाप्त करने के लिए सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। अधिकारियों ने इस शपथ के माध्यम से ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे बाल विवाह जैसी घटनाओं को रोकने में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है और हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह इस सामाजिक बुराई के खिलाफ आवाज उठाए।

समन्वित प्रयासों से सफलता की दिशा: कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव, सेक्टर सुपरवाइजर, महिला संरक्षण अधिकारी, सखी वन स्टॉप सेंटर के केंद्र प्रशासक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सदस्य, कोटवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन तथा ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी ने बाल विवाह उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयास करने का संकल्प लिया। यह जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन और बाल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। अभियान के आयोजकों का कहना है कि बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जागरूकता फैलाने से यह कुप्रथा समाप्त हो सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव आ सकता है ‘बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़’ अभियान एक ऐसे सामाजिक सुधार की दिशा में कदम है जो न केवल बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा करता है बल्कि समाज में स्थायी बदलाव लाने का भी कार्य करता है।

सीएमएचओ का सख्त निरीक्षण : मेडिकल कॉलेज निर्माण और अस्पताल सेवाओं में गुणवत्ता पर जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अविनाश खरे द्वारा नवीन मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता, और निर्धारित समय-सीमा के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। डॉ. अविनाश खरे ने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गति को तेज करने और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी न होने देने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में भविष्य में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। निर्माण कार्य के बाद, डॉ. अविनाश खरे ने सिविल अस्पताल, मनेंद्रगढ़ का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, दवा वितरण कक्ष और स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से संवाद किया और उनसे मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और चिकित्सकीय स्टाफ की नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करें। इस अवसर पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, विकास खंड कार्यक्रम प्रबंधक, एसडीओ सीजीएमएससी सहित विभागीय अधिकारी और अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे। डॉ. खरे ने इस मौके पर अधिकारियों और कर्मचारियों से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने का आह्वान किया।

रेत खदानों की नीलामी अब ऑनलाइन, 27 अप्रैल को जिले में ई-ऑक्शन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में रेत खदानों के संचालन को पारदर्शी, व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब रेत खदानों की नीलामी ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी जिससे न केवल खनन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी बल्कि अवैध खनन पर भी रोक लगेगी और राजस्व में वृद्धि होगी।

ई-ऑक्शन के जरिए रेत खदानों की नीलाम: कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा द्वारा जारी सूचना के अनुसार, छत्तीसगढ़ गौण खनिज (साधारण रेत) उत्खनन एवं व्यवसाय नियम, 2025 के तहत रेत खदानों की नीलामी अब ई-ऑक्शन (इलेक्ट्रॉनिक नीलामी) के माध्यम से होगी। यह कदम प्रशासन द्वारा खनन में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन माध्यम से अपनी बोली जमा कर सकेंगे जिससे यह प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल होगी।

27 अप्रैल को होगी ई-ऑक्शन: ई-ऑक्शन प्रक्रिया 27 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:00 बजे कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इस प्रक्रिया में पात्र आवेदक ऑनलाइन भाग लेकर रेत खदानों के संचालन के लिए बोली लगा सकेंगे। कलेक्टर कार्यालय ने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करें ताकि वे इस नीलामी में भाग लेकर मौके का लाभ उठा सकें। नई व्यवस्था से जिले में रेत खनन की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी। ई-ऑक्शन के माध्यम से रेत खदानों के संचालन में पारदर्शिता आएगी जिससे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। इसके अलावा इस नई व्यवस्था के लागू होने से शासन को अधिक राजस्व प्राप्त होने की संभावना है और खनिज संसाधनों का वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से प्रबंधन सुनिश्चित होगा। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से न केवल खनन व्यवसाय में सुधार होगा, बल्कि इससे राज्य के आर्थिक विकास में भी योगदान मिलेगा। ई-ऑक्शन के माध्यम से खनन क्षेत्र में एक नया दौर शुरू होगा जो स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करेगा।

शिवपुरी में आरक्षक की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में पदस्थ पुलिस आरक्षक वीरेंद्र पाण्डेय (40) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, आरक्षक वीरेंद्र पाण्डेय पिछले लगभग ढाई साल से मायापुर थाना में पदस्थ थे। उनका परिवार शिवपुरी शहर के पोहरी चौराहा स्थित पुलिस लाइन में रहता है। बताया गया है कि वह गुरुवार को शासकीय डाक लेकर शिवपुरी आए थे और रात में अपने घर पर ही रुके थे। सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले गए। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस हार्ट अटैक मान रही आरक्षक की मौत का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है प्रारंभिक तौर पर पुलिस इसे हार्ट अटैक मान रही है। कोतवाली पुलिस ने इस संबंध में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ पाएगा मृतक आरक्षक वीरेंद्र पाण्डेय अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं।

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान : बैगा पारा में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड के ग्राम पंचायत पराडोल अंतर्गत बैगा पारा में ग्रामीणों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर एक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छ जीवनशैली अपनाने और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना था। अभियान के दौरान अधिकारियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को शौचालय निर्माण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्हें समझाया गया कि खुले में शौच करने से न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, बल्कि यह संक्रामक बीमारियों के फैलाव का कारण भी बनता है। शौचालय का नियमित उपयोग न केवल स्वच्छता बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि यह पूरे समुदाय को संक्रमण से भी बचाता है। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि शौचालय के निर्माण से पूरे गांव को खुले में शौच मुक्त बनाया जा सकता है जिससे न केवल वातावरण स्वच्छ होगा बल्कि स्थानीय स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। गर्मी के मौसम में फैलने वाली बीमारियों जैसे डायरिया, लू, उल्टी-दस्त आदि से बचाव के उपायों पर भी विशेष जोर दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को साफ एवं उबला हुआ पानी पीने, भोजन को ढक कर रखने, नियमित रूप से हाथ धोने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी। इन उपायों को अपनाकर मौसमी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वस्थ जीवनशैली सुनिश्चित की जा सकती है। अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों से अपील की गई कि वे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर शीघ्र शौचालय निर्माण कराएं, ताकि गांव को खुले में शौच मुक्त बनाया जा सके और स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

मनेन्द्रगढ़ में ‘जल जीवन मिशन’ कार्यों का सघन निरीक्षण, गुणवत्ता व समय-सीमा पर सख्त जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित ‘जल जीवन मिशन’ के कार्यों का अधिकारियों द्वारा व्यापक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विभिन्न जल आपूर्ति संरचनाओं और प्रगति की समीक्षा की गई, साथ ही गुणवत्ता और समय-सीमा पर सख्त ध्यान दिया गया। निरीक्षण दल ने चैनपुर स्थित इंटेकवेल, जल शोधन संयंत्र , गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला और डिवीजन कार्यालय भवन का अवलोकन किया। इसके अलावा, चिरमिरी क्षेत्र के डब्ल्यूटीपी और ग्राम पंचायत सेंधा, लोहारी एवं हर्रा में चल रही पेयजल परियोजनाओं की जमीनी स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माणाधीन संरचनाओं की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों के अनुपालन और कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। अधिकारियों ने ठेकेदारों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए और गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर घर तक नियमित रूप से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंच सके। ‘जल जीवन मिशन’ के तहत एलएआई एमवीएस (मल्टी विलेज स्कीम) के तहत शामिल ग्रामों के ठेकेदारों के साथ एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यों की प्रगति, चुनौतियां और समाधान के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और जल आपूर्ति से संबंधित संरचनाओं में गुणवत्ता मानकों के कड़े पालन की आवश्यकता पर जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि ‘जल जीवन मिशन’ केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस मिशन का उद्देश्य हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है, जिससे स्वास्थ्य स्तर में सुधार होगा और जल जनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा। यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभागीय समन्वय को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया कि ‘जल जीवन मिशन’ के तहत सभी कार्य समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि हर ग्रामीण तक स्वच्छ पेयजल पहुंच सके और उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रहे।

‘मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना’ राहत, भरोसा और बदलाव की नई कहानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रदेश सरकार की जनहितकारी पहल ‘मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना’ अब आमजन के जीवन में राहत, भरोसा और सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनकर उभर रही है। यह योजना केवल बिजली बिल में छूट तक सीमित नहीं है बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए नई उम्मीद और संबल भी प्रदान कर रही है। बढ़ते बिजली बिल और सरचार्ज से परेशान उपभोक्ताओं को इस योजना के तहत बड़ी राहत मिल रही है। राज्य सरकार द्वारा बकाया राशि पर विशेष छूट और सरचार्ज माफी प्रदान की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हुआ है और वे पुनः नियमित उपभोक्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे न केवल उपभोक्ताओं का वित्तीय दबाव कम हो रहा है बल्कि उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ रहा है। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की निवासी निर्मला इस योजना का एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। निर्मला पर कुल 16,548 रुपये का बकाया बिजली बिल था, जिसे इस योजना के तहत पूर्णतः माफ कर दिया गया। अब उनका देय राशि शून्य हो गई है, जिससे उन्हें न केवल आर्थिक राहत मिली बल्कि मानसिक राहत भी मिली है। निर्मला ने कहा ‘इस योजना ने हमारे जीवन में एक नई उम्मीद और संबल दिया है। अब हम अपने घर की अन्य जरूरतों पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। ‘मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना’ की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल और सुलभ प्रक्रिया है। उपभोक्ता ‘मोर बिजली’ मोबाइल एप या निकटतम विद्युत वितरण केंद्र के माध्यम से आसानी से पंजीयन कर सकते हैं।

जीवनदीप समिति की बैठक सम्पन्न, अस्पताल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जीवनदीप समिति की बैठक एसडीएम और समिति अध्यक्ष लिंगराज सिदार के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्रीय अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में अस्पताल की जनसुविधाओं को बेहतर बनाने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस निर्णय लिए गए। बैठक में सबसे पहले अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए और उसका प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। इसके साथ ही, अस्पताल में मरीजों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए दवा भंडारण और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। यह कदम अस्पताल की कार्यकुशलता में सुधार लाने और मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए उठाया गया है। अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को होने वाली असुविधा को देखते हुए, सुव्यवस्थित वाहन पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी बैठक में विचार-विमर्श किया गया। समिति ने इस पर विशेष ध्यान दिया कि अस्पताल में आने वाले लोगों को पार्किंग की समस्या का सामना न करना पड़े। संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया कि वे पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें और पार्किंग की सुविधाएं शीघ्र सुनिश्चित करें, ताकि अस्पताल परिसर में यातायात सुगम बना रहे और अस्पताल के आसपास की स्थिति व्यवस्थित हो। इसके अतिरिक्त, बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की गई - अस्पताल में सीटी स्कैन जैसी अति आवश्यक चिकित्सीय सुविधा की उपलब्धता। समिति ने इस सुविधा को अस्पताल में शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया। सीटी स्कैन सुविधा की कमी के कारण मरीजों को इलाज में देरी हो रही थी और उन्हें बाहर के अस्पतालों में जाने की मजबूरी हो रही थी। इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि संबंधित विभागों को शीघ्र इस दिशा में आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने और सीटी स्कैन सुविधा प्रारंभ करने के निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अस्पताल की समस्त व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके। अस्पताल प्रबंधन और संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्यों को पूर्ण करें। इससे अस्पताल की कार्यकुशलता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार होगा। जीवनदीप समिति की बैठक में अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी, अस्पताल स्टाफ, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में समिति के सदस्य राम धुन जायसवाल, रिशु अग्रवाल, संजीव सिंह, मती गीता पासी और जयंतीलाल यादव ने भी अपनी अहम राय दी।

पेयजल समस्या का समाधान : मुख्तियार पारा में नलकूप खनन व हैंडपंप स्थापना से मिली राहत

गर्मी में जल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को अब घर के पास मिलेगा स्वच्छ पेयजल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र) ।गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से जूझ रहे मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम मुख्तियार पारा के ग्रामीणों को अब घर के पास ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकेगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा इस क्षेत्र में नलकूप खनन और हैंडपंप स्थापना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली है। ग्राम पंचायत मुख्तियार पारा, वार्ड नंबर 06 (डोंगरी पारा, सोनसाय के घर के पास) में अब तक पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। गर्मियों के मौसम में पानी के लिए ग्रामीणों को दूर-दूर तक जाना पड़ता था, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी बल्कि शारीरिक श्रम की भी भारी हानि होती थी। जल संकट की गंभीरता को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए नलकूप खनन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया। नलकूप खनन के बाद विभागीय टीम ने तत्परता से उसी स्थल पर हैंडपंप की भी स्थापना कर दी जिससे अब ग्राम मुख्तियार पारा के निवासियों को आसानी से पानी मिल रहा है। नव स्थापित हैंडपंप के चालू होने से अब ग्रामीणों को घर के पास ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल रहा है। इससे न केवल उनका दैनिक जीवन सुगम हुआ है बल्कि जलजनित बीमारियों की संभावना भी कम होने की उम्मीद है। गर्मी में पानी की कमी के कारण अक्सर गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो जाती थीं लेकिन अब इस समस्या का स्थायी समाधान हो गया है। इस पहल से खुश ग्रामवासियों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की तत्परता और जनहितकारी कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले जल के लिए उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था लेकिन अब उनके पास घर के पास ही स्वच्छ पानी है, जिससे उनका जीवन सरल और स्वस्थ हो गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग लगातार कार्य कर रहा है। विभाग की यह पहल न केवल क्षेत्र की पेयजल समस्या को हल करने में मददगार साबित हो रही है बल्कि इससे क्षेत्र में जल स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार हो रहा है। पेयजल की उपलब्धता को लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। ग्राम मुख्तियार पारा में नलकूप खनन और हैंडपंप स्थापना के बाद अब यहां के निवासी जल संकट से मुक्त हो गए हैं और उन्हें अब पानी के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

अल्ट्राटेक ने भारत में 200 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता का आंकड़ा पार किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने घोषणा की है कि उन्होंने भारत में 200+ मिलियन टन प्रति वर्षस्थापित सीमेंट निर्माण क्षमता का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी नेतीन नई सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स शुरू की हैं, जिनकी कुल क्षमता 8.7 मिलियन टन प्रति वर्षहै। इसके साथ ही, अल्ट्राटेक चीन को छोड़कर, बिक्री की मात्रा और क्षमता के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई है।

नई तीन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट्स शाहजहाँपुर, पतरातू और विशाखापत्तनम में स्थापित की गई हैं। इन्हें रणनीतिक रूप से इस तरह स्थापित किया गया है कि उत्तर भारत के तेजी से बढ़ते निर्माण क्षेत्र, झारखंड के औद्योगिक इलाके और आंध्र प्रदेश के तेजी से शहरीकरण वाले तटीय क्षेत्र को मजबूत आपूर्ति मिल सके।

इन नई यूनिट्स के जुड़ने के बाद अल्ट्राटेक की भारत में कुल क्षमता 200.1 मिलियन टन प्रति वर्षहो गई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसकी संयुक्त क्षमता 205.5 मिलियन टन प्रति वर्षतक पहुंच गई है। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और श्रीलंका में संचालित यूनिट्स से 5.4 मिलियन टन प्रति वर्षक्षमता शामिल है।

अल्ट्राटेक की वृद्धि केवल आकार में ही नहीं, बल्कि गति में भी उल्लेखनीय रही है। कंपनी को 100+ मिलियन टन प्रति वर्षतक पहुंचने में 36 वर्ष लगे थे, जो उपलब्धि उसने 2019 में हासिल की थी। इसके बाद अगले 100 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंचने में उसे सात वर्ष से भी कम समय लगा। यह कंपनी की मजबूत कार्यान्वयन क्षमता और भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।

अल्ट्राटेक भारत में हर तीन में से एक घर के निर्माण में योगदान देता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की हर पांच किलोमीटर कंक्रीट सड़कों में से दो किलोमीटर निर्माण में इसकी भागीदारी है, जबकि देश की हर पांच किलोमीटर मेट्रो रेल परियोजना में से चार किलोमीटर में इसका सीमेंट इस्तेमाल हुआ है।

कंपनी के सीमेंट का उपयोग नई संसद भवन, मुंबई कोस्टल रोड, द्वारका एक्सप्रेसवे, नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, सोनमर्ग सुरंग और मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाओं में किया गया है।

अल्ट्राटेक अपनी सस्टेनेबिलिटी रणनीति के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कंपनी प्रति टन सीमेंट CO_2 उत्सर्जन कम करने, वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल के उपयोग को बढ़ाने तथा अपनी पूरी वैल्यू चेन में ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिस को अपनाने पर काम कर रही है। कंपनी के लिए विस्तार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी दोनों साथ-साथ चलने वाली प्राथमिकताएं हैं।

अल्ट्राटेक के विस्तार का अगला चरण पहले से जारी है। वर्तमान में चल रही परियोजनाओं पर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश किया जा रहा है, जिससे कंपनी की संयुक्त सीमेंट निर्माण क्षमता 240+ MTPA तक पहुंच जाएगी।

ड्रमों में मिली जानवर की चर्बी, 3 ट्रकों भरे खाल-सींग

खंडवा में प्रशासन की दबिश, विधायक बोलीं- गोवंश, मजिस्ट्रेट बोले- जांच के बाद पुष्टि होगी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के इमलीपुरा क्षेत्र में प्रशासन ने शुक्रवार दबिश दी। अवैध रूप से संचालित हो रहे दो कारखानों से बड़ी मात्रा में जानवरों की चर्बी और मवेशियों की खाल बरामद हुई है। चर्बी युक्त घी इतनी बड़ी मात्रा में था कि 9 नीले ड्रम और 69 डिब्बे भरे हुए थे। इधर, खाल की थप्पियां लगी हुई थी। मौके से दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जिनसे कि पूछताछ चल रही है।

कार्रवाई रहवासियों की सूचना पर की गई है। मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर, निगम उपायुक्त सचिन सिटोले और सीएसपी अभिनव बारंगे ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान तीन ट्रकों में भरकर मवेशियों के अवशेष बरामद किए गए है।

अवशेषों के सैंपल जांच के लिए भेजे : 9 नीले ड्रम और 69 पीपों में लिक्विड रूप में घी बनाकर चर्बी भरी हुई थी। पुलिस और प्रशासन ने नकली घी को भी जब्त कर लिया है। मामले में अवशेष के सैंपल पशु चिकित्सा विभाग ने लिए हैं। जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की बात कहीं गई है।

मामले में खंडवा विधायक कंचन तनवे ने गोवंश होने की बात कही है। भाजपा नेताओं के साथ मौके पर पहुंची विधायक तनवे ने कहा कि, बेरहमी से गोवंश की हत्या की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस बारे में अवगत कराया जाएगा।

मजिस्ट्रेट बोले- जांच के बाद पता चलेगा किस जानवर के अवशेष: आरोपियों के खिलाफ रासुका सहित गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने के लिए पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों से चर्चा कर रही हूं। इधर, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने कहा कि, प्रयोगशाला में जांच के बाद पुष्टि होगी कि मवेशी गोवंश है या अन्य कोई मवेशी हैं। फिलहाल खाल जब्ती की कार्रवाई चल रही हैं।

7 महीने में कुपोषण से 3 बच्चों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के माथे से कुपोषण का कलंक मिटने का नाम ही नहीं ले रहा है। कुपोषण की गंभीर स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मझगवां ब्लॉक अंतर्गत पिछले 7 माह में 3 बच्चों की कुपोषण ने जान ले ली है। इसे महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले की नाकामी नहीं तो और क्या कहेंगे?

हर बार एक मासूम का जीवन लीलने के बाद नोटिसों का दौर कुछ दिन तक चलता है, या फिर किसी छोटे कर्मचारी पर गाज गिरा कर सब अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते है जबकि धरातल पर कुपोषण उसी तरह अकड़ कर खड़ा रहता है। अक्टूबर 2025 में मरवा नयागांव के हुसैन रजा की अति कुपोषण से मौत के बाद सतना से ले कर भोपाल तक खूब शोर मचा और सरकारी संवेदनाएं सुनाई दी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने तो यहां तक कहा कि सरकार इस विषय में काफी गंभीर है। जमीनी स्तर पर कुपोषण से लड़ने का मास्टर प्लान बनाया जा रहा है ताकि फिर किसी मासूम की कुपोषण से मौत न हो। 7 माह बाद भी अभी तक उस मास्टर प्लान का कही पता नहीं है मीडिया ने यह जानने का प्रयास किया कि आखिर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभागों की जमीनी स्तर तक पहुंच के बावजूद चूक कहा हो रही है।

दिव्यांग साले की हत्या करने वाले जीजा को उम्रकैद

खंडवा में पत्नी के सामने चाकू से किए थे वार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के सिहाड़ा गांव में पिछले साल हुए दिव्यांग युवक की हत्या के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की अदालत ने आरोपी जीजा महेंद्र उर्फ गणेश शिंदे को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, घटना 20 सितंबर 2025 की शाम करीब 6.30 बजे की है। मृतक मनीष चांगरे, जो दिव्यांग था, अपने घर के बाहर साइकिल पर बैठा था। उसी दौरान आरोपी महेंद्र उर्फ गणेश शिंदे चाकू लेकर पहुंचा और पुरानी दुश्मनी के चलते मनीष पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

शरीर में कई जगह वार किए: हमले में आरोपी ने गर्दन, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार किए, जिससे मनीष गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के दौरान मौके पर मौजूद परिजनों और स्थानीय महिलाओं ने पूरी घटना देखी। शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। मामले की रिपोर्ट मृतक की पत्नी ने थाना मोघटरोड में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। मामले में अभियोजन की ओर से उपसंचालक अभियोजन त्रिलोकचंद बिल्लोरे के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी विनोद कुमार पटेल ने पैरवी की। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

बस का ब्रेक फेल, पुलिया में गिरने से बाल-बाल बची रायसेन में मिट्टी ढेर से टकराकर रुकी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के सागर रोड पर पठारी के पास गुरुवार शाम एक बड़ा बस हादसा टल गया। भोपाल से सागर जा रही कृष्ण ट्रैवल्स की एक बस का प्रेशर पाइप फटने से ब्रेक फेल हो गए। अनियंत्रित बस निर्माणाधीन पुलिया की ओर बढ़ गई, लेकिन पुलिया निर्माण के लिए खोदी गई मिट्टी और पत्थरों के ढेर से टकराकर रुक गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे, जो सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। यह घटना शाम करीब 6 बजे हुई। बस भोपाल से सागर की ओर जा रही थी, तभी पठारी के पास अचानक प्रेशर पाइप फट गया, जिससे बस के ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया। बस की तेज रफ्तार के कारण यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को निर्माणाधीन पुलिया के लिए खोदी गई मिट्टी की ओर मोड़ दिया। इससे बस वहीं फंसकर रुक गई और पुलिया में गिरने से बच गई। यदि बस पुलिया में गिर जाती, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद सभी यात्री सुरक्षित बस से नीचे उतर गए। मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। बाद में यात्रियों को अन्य वाहनों का इंतजार करते देखा गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि बीते चार दिनों में यह रायसेन जिले में चौथा बस हादसा है। इससे पहले सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में एक बस पहाड़ी से टकरा गई थी।

3 साल के बच्चे के गले में फंसा सिक्का

छतरपुर में डॉक्टर ने बिना ऑपरेशन निकाला

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में एक बार फिर डॉक्टर की सतर्कता और अनुभव ने एक मासूम की जान बचा ली। उत्तरप्रदेश के महोबा जिले के महोबकंठ थाना क्षेत्र निवासी 3 साल का सोहन अहिरवार खेलते समय 5 का सिक्का निगल गया, जो उसके गले में जाकर फंस गया। सिक्का फंसने के कारण बच्चा न बोल पा रहा था और न ही कुछ खा-पी पा रहा था।

दर्द से बिलखते बच्चे को परिजन तत्काल छतरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि उन्हें मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली थी कि छतरपुर जिला अस्पताल में पदस्थ सर्जन डॉ. मनोज चौधरी बच्चों के गले में फंसे सिक्के बिना ऑपरेशन निकालने में माहिर हैं। इसी भरोसे पर वे देर रात करीब 11:30 बजे बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे।

बिना ऑपरेशन निकाला सिक्का: जिला अस्पताल पहुंचते ही डॉ. मनोज चौधरी ने बिना समय गंवाए बच्चे की जांच की और अपनी विशेष तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बिना ऑपरेशन सिक्का बाहर निकाल दिया। पूरी प्रक्रिया सावधानी और तेजी से पूरी की गई, जिससे बच्चे को किसी तरह की सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ी।

500 से ज्यादा बच्चों को दे चुके नई जिंदगी: डॉ. चौधरी अब तक 500 से ज्यादा बच्चों के गले से सिक्के निकाल चुके हैं, वह भी निशुल्क। उनका कहना है कि बच्चों में इस तरह की घटनाएं आम हैं, लेकिन समय पर इलाज मिल जाए तो बड़े खतरे से बचा जा सकता है।

सही तकनीक और अनुभव से बिना ऑपरेशन ऐसे मामलों को संभालना संभव है। अब पूरी तरह स्वस्थ है मासूम

सिक्का निकलने के बाद सोहन की हालत सामान्य हो गई। डॉक्टरों ने उसे कुछ समय ऑब्जर्वेशन में रखा और गुरुवार सुबह छुट्टी दे दी। परिजनों ने डॉक्टर का आभार जताते हुए कहा कि समय पर इलाज नहीं मिलता तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना एक बार फिर साबित करती है ।

इटारसी के पास दो बाइकों की टक्कर, तीन घायल टेमला गांव में एक्सीडेंट; पैर टूटा, जिला अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के टेमला गांव के पास गुरुवार को दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। जानकारी के अनुसार, नयामाना ग्राम निवासी रंजीव कुमरे (28, पिता लक्ष्मण कुमरे) और सेवराज कुमरे (35, पिता फूलचंद कुमरे) एक बाइक पर सवार थे। टेमला गांव के पास उनकी बाइक की टक्कर तीखड़ निवासी रोहित धुर्वे (35, पिता रामावतार) की बाइक से हो गई। टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर गिर गए। हादसे में रंजीव कुमरे का एक पैर टूट गया है। सेवराज कुमरे के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। तीसरे घायल रोहित धुर्वे के हाथ, पैर और पंजे में चोटें आई हैं।घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद इटारसी के डा श्याम प्रसाद मुखर्जी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने रंजीव और सेवराज की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। रोहित धुर्वे का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

खरगोन में 5 देसी पिस्टल बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के सनावद में अवैध हथियारों का परिवहन करते हुए महाराष्ट्र और बुरहानपुर के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा और उनके पास से पांच देसी पिस्टल जब्त कीं। यह कार्रवाई सनावद में निर्माणाधीन इंदौर-इच्छापुर हाईवे ब्रिज के नीचे की गई। पुलिस के अनुसार, वाहन चेकिंग के दौरान एक स्कूटी पर सवार दो लोगों को रोका गया। नाकाबंदी देखकर वे भागने लगे, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पुणे के अम्बेगांव खुर्द कात्रज निवासी आकाश और बुरहानपुर के शाहपुर निवासी नयन के रूप में हुई है। उनकी स्कूटी की डिक्की से पांच देसी पिस्टल बरामद हुईं। जब्त किए गए अवैध हथियारों की कीमत 1.25 लाख रुपये और स्कूटी की कीमत 60 हजार रुपये आंकी गई है।

नेटवर्क का खुलासे के लिए पूछताछ जारी: खरगोन की एडिशनल एसपी शकुंतला रूहल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिक पूछताछ में यह जानकारी सामने आई है कि उन्होंने ये अवैध फायर आर्म्स सिगनूर के सिकलीगर से खरीदे थे। सनावद थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव के मुताबिक, आरोपियों की पुलिस रिमांड ली जाएगी ताकि हथियार खरीदने और बेचने के पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच की जा सके।

मंदसौर में बाइक–डंपर की टक्कर, युवक गंभीर घायल मंदिर से लौटते समय हादसा; चेहरे पर गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के करजू गांव से गुरुवार रात एक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा करजू गांव स्थित शासकीय स्कूल के पास हुआ, जहां बाइक और डंपर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। घायल युवक की पहचान राहुल पिता रामदयाल पाटीदार (26), निवासी करजू थाना भावगढ़ के रूप में हुई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से राहुल को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

चेहरे पर गंभीर चोट, हाथ–पैर भी जख्मी: डॉक्टरों के अनुसार राहुल के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और उसका मुंह पूरी तरह से जख्मी हो चुका है। इसके अलावा उसके हाथ और पैरों में भी चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

मंदिर से लौटते समय हुआ हादसा: राहुल के पिता रामदयाल पाटीदार ने बताया कि राहुल खेती करता है और आकोदड़ा स्थित कालका माता मंदिर में दर्शन कर गांव लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात डंपर ने उसे टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद डंपर चालक फरार: प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसे के बाद डंपर चालक मौके से वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। डॉक्टरों के मुताबिक राहुल की हालत थोड़ी गंभीर बनी हुई है। ऐसे में प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जाएगा।

देवास में बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत मामेरा ओढ़ाकर घर लौट रहा था

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास के टोंकखुर्द क्षेत्र में गुरुवार को बाइक सवार दो लोगों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को देवास जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेहरबान सिंह निवासी बेरछा बेसरापुर और बुजुर्ग हरनाथ सिंह गुरुवार सुबह देवास में एक मकान के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। मेहरबान सिंह अपनी बहन प्रेमलता मालवीय के यहां मामेरा लेकर पहुंचे थे। दोपहर में मामेरा ओढ़ाने के बाद बहन प्रेमलता मालवीय ने अपने भाई मेहरबान सिंह और रिश्तेदार हरनाथ सिंह को खुशी-खुशी विदा किया। लेकिन कुछ ही देर बाद अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें मेहरबान सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

बहन को पुलिस से मिली मौत की खबर: जिस बहन ने अपने भाई को तिलक लगाकर विदा किया था, उसे कुछ ही देर बाद पुलिस के माध्यम से उसके निधन की सूचना मिली। यह खबर मिलते ही परिवार स्तब्ध रह गया और सभी जिला अस्पताल पहुंच गए। हादसे में घायल हरनाथ सिंह को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। वहीं, मेहरबान सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में रखवाया गया है।

अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस: परिजनों के अनुसार, हादसा कैसे हुआ इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन आशंका है कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिस घर में मकान की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां कुछ ही देर में हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया। परिवार के लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं, वहीं बेरछा क्षेत्र में भी घटना की सूचना पहुंचते ही शोक का माहौल है।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने 'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने शुक्रवार को भारतीय खेल जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को उनके 53वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, आईसीसी अध्यक्ष ने लिखा, 'हमारे खेल के दिग्गज सचिन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। क्रिकेट में आपका अद्भुत योगदान दुनिया भर में पीढ़ियों को हमारे महान खेल को खेलने और देखने के लिए प्रेरित करता रहता है, जबकि आपकी सहानुभूति और मानवता का समाज पर निरंतर और महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

24 अप्रैल 1973 को जन्मे तेंदुलकर अपने समय के सबसे संपूर्ण बल्लेबाज, सर्वकालिक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी और निस्संदेह क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े आइकन थे।

टेस्ट और वनडे दोनों में सबसे अधिक शतक बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, खासकर यह देखते हुए कि उन्होंने अपना पहला वनडे शतक अपने 79वें मैच तक नहीं बनाया था।

34,357 अंतरराष्ट्रीय रनों के साथ सचिन तेंदुलकर क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान, उन्होंने बार-बार रिकॉर्ड तोड़े और ऐसे मुकाम हासिल किए जो आज तक अछूते हैं।

अपने अटूट धैर्य और दृढ़ता के दम पर 'मास्टर ब्लास्टर' ने 200 टेस्ट मैच खेले हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेले गए सबसे अधिक मैच हैं।

शुक्रवार को 53 वर्ष के हुए तेंदुलकर ने लाल गेंद के क्रिकेट में 15,921 रन, 51 शतक और 2,058 चौके बनाए - जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। भारत के 'क्रिकेट के भगवान' के रूप में पूजनीय, उन्होंने 15,000 टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड भी सबसे तेज बनाया, केवल 300 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जो एक अद्वितीय उपलब्धि है।

53 वर्षीय तेंदुलकर का करियर 22 साल और 91 दिनों से अधिक लंबा रहा, जो वनडे क्रिकेट में सबसे लंबा करियर दर्ज करने का रिकॉर्ड है। 1998 में 1,894 रन और नौ शतकों के साथ, उन्होंने वनडे में एक ही कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक रन और शतक बनाने का रिकॉर्ड बनाया, जो आज भी बेजोड़ है।

आईएसएल : नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ मुकाबले में एफसी गोवा की नजर लगातार तीसरी जीत पर है।

गुवाहाटी, एजेंसी। एफसी गोवा अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए लगातार तीसरी जीत हासिल करने और तालिका में शीर्ष पर मौजूद नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग 2025-26 के मैच 65 में शुक्रवार को गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले में शीर्ष पर मौजूद खिलाड़ियों के बीच अंतर को कम करने की कोशिश करेगी।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी अपना लगातार दूसरा घरेलू मैच खेलेगी और बारिश से प्रभावित मुकाबले में मौजूदा चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट से 0-1 की करीबी हार से उबरने की उम्मीद करेगी।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जुझारू प्रयास के बावजूद, हाईलैंडर्स को रॉबसन द्वारा पांचवें मिनट में किए गए शुरुआती गोल से हार का सामना करना पड़ा।

नौ मैचों में सात अंकों के साथ तालिका में फिलहाल 12वें स्थान पर काबिज गुवाहाटी स्थित टीम शुक्रवार को जीत हासिल करने पर 10 अंक तक पहुंच जाएगी।

मेजबान टीम के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात कार्यवाहक कप्तान अशीर अख्तर का शानदार प्रदर्शन रहा, जिन्होंने रक्षात्मक दृष्टि से 17 योगदान दिए। हालांकि, शुक्रवार को उनका काम चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि पिछले मैच में कंधे में चोट लगने के कारण अंकित पद्मनाभन और नियमित कप्तान मिगुएल ज़ाबाको टीम से बाहर रहेंगे।

एक रणनीतिक मुकाबले की आशंका जताते हुए, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के सहायक कोच अमोघ अदिगे ने अपनी रणनीति बताई। अदिगे ने कहा, 'हमारी तैयारी हर मैच के लिए एक जैसी रहती है। हमने उनकी ताकत पर काम किया है, खासकर आक्रमण और सेट-पीस में। हमें पिछले मैच से आत्मविश्वास मिला है, और टीम में सकारात्मक माहौल है क्योंकि हमारा लक्ष्य तीन अंक हासिल करना है। '

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मिडफील्डर मयक्कन्नन मुथु ने कहा, 'फुटबॉल में कभी जीत होती है, कभी हार। हमारा ध्यान हमेशा जीतने पर रहता है। हार के बाद हम आगे बढ़ते हैं और अगले मैच की तैयारी करते हैं।

यह किसी एक कलाकार की बात नहीं है जैनसेन का पंजाब की सफलता पर बयान

इंडियन प्रीमियर लीग सीजन के अपने शुरुआती छह मैचों में अपराजित रहने वाली पंजाब किंग्स ने बल्लेबाजी में तो शानदार प्रदर्शन किया ही है, साथ ही गेंदबाजों ने भी अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन किया है, ऐसा ऑलराउंडर मार्को जानसेन का मानना है। 'सारा ध्यान बल्लेबाजी पर है, और यह स्वाभाविक भी है – लोग बड़े-बड़े छक्के देखना चाहते हैं। हालांकि, एक टीम के रूप में, गेंदबाजों को अच्छी तरह पता है कि हममें से प्रत्येक का क्या योगदान है। यह किसी एक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी की बात नहीं है, बल्कि हर किसी के योगदान और अपनी भूमिका को निभाने की बात है,' 25 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ने कहा।

दो बार के टी20 विश्व कप विजेता अर्शदीप सिंह के साथ, जेनसन विजयकुमार वैशाक और जेवियर बार्टलेट के साथ किंग्स के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं। स्पिन आक्रमण मुख्य रूप से युजवेंद्र चहल के इर्द-गिर्द घूमता है। गेंदबाजों ने बड़े स्कोर का बचाव करते हुए 200 रन लुटाए।

'बहुत कुछ हालात और परिस्थितियों पर निर्भर करता है। अर्शदीप और बार्टलेट लगातार गेंद को स्विंग कराते हैं, और मैं समझता हूं कि मेरे पास अलग कौशल है और मैं पहले या दूसरे ओवर में गेंदबाजी करने का आदी हूं। एक टीम के रूप में, हम व्यक्तिगत भूमिकाओं के बजाय टीम के हित पर ध्यान केंद्रित करते हैं,' जेनसन ने कहा, जिन्होंने पांच मैचों में पांच विकेट लिए हैं। 'अर्शदीप बहुत ही भरोसेमंद गेंदबाज हैं, और हम एक-दूसरे का अच्छा साथ देते हैं। कौन कब गेंदबाजी करेगा, इसके पीछे हमेशा एक योजना होती है, और हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं कि हम अपना काम बखूबी निभाएंगे। '

जैनसेन ने कप्तान श्रेयस अय्यर की भी प्रशंसा करते हुए उन्हें 'एक प्रेरणादायक और दृढ़ निश्चयी नेता बताया जो सहयोगात्मक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बाद सूजी बेट्स संन्यास लेंगी।

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने घोषणा की है कि स्टार ऑलराउंडर सूजी बेट्स इस साल के आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी।

इंग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बाद बेट्स अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी, जिससे न्यूजीलैंड के लिए 362 मैच खेलने के उनके शानदार करियर का अंत हो जाएगा।

अपने शानदार करियर पर विचार करते हुए, बेट्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, 'जब मैं पिछले बीस से अधिक वर्षों को याद करता हूँ, तो मुझे विश्वास नहीं होता कि समय कितनी जल्दी बीत गया। मुझे बहुत गर्व है कि मैंने कई बार न्यूजीलैंड की जर्सी पहनी है, और इस टीम के लिए एक बेहतर इंसान, साथी खिलाड़ी, क्रिकेटर और एथलीट बनने के लिए हर दिन प्रयास करने में मुझे अपार उद्देश्य और आनंद मिला है। मेरे सभी साथियों और कोचों के प्रति मेरी कृतज्ञता को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। मेरा एक अंतिम लक्ष्य हैः यूके जाना - एक ऐसी जगह जहाँ मेरी बहुत सी खास यादें जुड़ी हैं - और एक और विश्व कप जीतना। '

बेट्स ने सभी प्रारूपों में कुल 14 शतक बनाए हैं और 145 विकेट लिए हैं। यह ऑलराउंडर हाल के समय में सबसे प्रभावशाली रिकॉर्डों में से एक के साथ खेल से विदा ले रही हैं, क्योंकि उन्होंने 2006 में लिंकन में भारत के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से लगातार अपने देश के लिए उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है।बेट्स न्यूजीलैंड की सभी प्रारूपों में सर्वकालिक सर्वोच्च रन स्कोरर के रूप में संन्यास लेंगी, और केवल ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मेग लैनिंग (15) और भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (14) ही 50 ओवर के क्रिकेट में उनके द्वारा बनाए गए 13 शतकों से अधिक वनडे शतक बनाने का दावा कर सकती हैं।

शुरुआती विकेट गिरने के बाद हम वापसी नहीं कर सके: हार्दिक पांड्या ने सीएसके से 103 रन से हार के बाद यह बात कही।

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पांड्या ने स्वीकार किया कि गुरुवार रात वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2026 के 'एल क्लासिको' मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 103 रनों की करारी हार में उनकी टीम शुरुआती झटकों से उबरने में विफल रही।

मैच के बाद बोलते हुए, पंड्या ने कहा कि पावरप्ले में शुरुआती विकेट गिरने से एमआई को 208 के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते समय बैकफुट पर जाना पड़ा।

1जब उनसे पूछा गया कि क्या लक्ष्य का पीछा करते समय पिच का व्यवहार अलग था, तो एमआई के कप्तान ने इस सुझाव को खारिज कर दिया और इसका श्रेय सीएसके के बल्लेबाजी प्रदर्शन को दिया।

'मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मैं ऐसा कहना पसंद नहीं करता। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की; उन्होंने 207 रन बनाए। पिच वही थी, मिट्टी भी वही थी। हमें बस अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए थी,' उन्होंने आगे कहा।

पांड्या ने स्पिनरों के प्रभाव को स्वीकार किया लेकिन सीएसके की बल्लेबाजी की गहराई, विशेष रूप से संजू सैमसन के नाबाद शतक की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे स्पिनरों ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की। बस संजू ने शानदार पारी खेली। वहीं दूसरी ओर, उनके बल्लेबाज लगातार आते रहे और योगदान देते रहे जिससे टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच गई। मुझे लगता है कि उस पिच पर यह एक सम्मानजनक स्कोर से कहीं अधिक था। '

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए एमआई को पावर प्ले में मजबूत शुरुआत की जरूरत है।

'इस मैच में जीत हासिल करने के लिए हमें एक अच्छा पावर प्ले खेलना था और मैच का रुख हमारे पक्ष में होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका,' पंड्या ने कहा।

आगामी मैचों के लिए टीम में संभावित बदलावों के बारे में, एमआई के कप्तान ने कहा कि टीम के भीतर ही इस पर चर्चा होगी।

'मुझे लगता है कि उस बातचीत में हम फिर से लौटेंगे, आगे बढ़ेंगे और यह पता लगाएंगे कि हमें क्या करने की जरूरत है। हमारे पास कुछ दिन हैं। हमें बस यह देखना है कि हम सबसे अच्छा क्या कर सकते हैं,' उन्होंने निष्कर्ष निकाला।

सैमसन के सनसनीखेज शतक और अकेल हुसैन की अगुवाई में मैच जिताने वाली गेंदबाजी के दम पर सुपर किंग्स ने एमआई पर 103 रनों की शानदार जीत दर्ज की।

सीएसके ने 207/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसमें सैमसन ने 54 गेंदों में 101 रनों की शानदार पारी खेली। इसके बाद सीएसके के गेंदबाजों ने एमआई की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। अकील हुसैन ने चार विकेट लेकर (4/17) शानदार प्रदर्शन किया, वहीं नूर अहमद, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज और गुरजपनीत सिंह ने भी योगदान दिया, जिसके चलते एमआई 104 रनों पर ऑल आउट हो गई।

इस परिणाम के साथ, सीएसके आईपीएल 2026 की तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

सीएसके की एमआई पर 103 रनों की शानदार जीत आईपीएल इतिहास में रनों के लिहाज से उनकी सबसे बड़ी जीत के रूप में दर्ज हो गई। उन्होंने 2015 सीज़न के दौरान चेन्नई में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के खिलाफ 97 रनों की जीत के अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

एमआई के लिए, यह हार आईपीएल इतिहास में रनों के अंतर से उनकी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले उनकी सबसे बड़ी हार 2013 सीज़न में जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 87 रनों की थी। यह वानखेड़े स्टेडियम में उनकी सबसे बड़ी हार भी बन गई, जिसने 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 39 रनों की हार का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

104 रन पर ऑल आउट होना अब आईपीएल इतिहास में सीएसके के खिलाफ एमआई का सबसे कम स्कोर है, जिसने 2021 संस्करण में दुबई में बनाए गए उनके 136/8 के स्कोर को पीछे छोड़ दिया है। कुल मिलाकर, सीएसके ने 2023 से एमआई के खिलाफ खेले गए पिछले छह मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल की है।

किर्स्टन श्रीलंका टीम के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और 2027 आईसीसी पुरुष विश्व कप की तैयारी कर रही हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। गैरी कर्स्टन ने श्रीलंका की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी नई भूमिका संभाली है और अनुभवी रणनीतिकार अल्पकालिक परिणामों से आगे बढ़कर 2027 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम टीम की नींव रख रहे हैं। मार्च में, श्रीलंका ने गैरी कर्स्टन को राष्ट्रीय पुरुष टीम के नए मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की।

आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, कर्स्टन ने कहा, 'यह उन परिस्थितियों से बहुत अलग होने वाला है जिनसे कई खिलाड़ी अभ्यस्त हैं, तो हम इसके लिए कैसे योजना बनाएं? यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि टीम के कौशल के सभी पहलुओं को कवर किया जाए। '

उन्होंने पूछा, 'क्या हमारे पास ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गेंद हवा में तेजी से दौड़ती है? क्या हमारे पास ऐसे गेंदबाज हैं जो गेंद को स्विंग करा सकते हैं? क्या हमारे पास उछाल के साथ गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज हैं? क्या आपके पास शीर्ष स्पिनर हैं? और क्या आपके पास छह ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस तरह की परिस्थितियों में बल्लेबाजी कर सकते हैं? '

किर्स्टन वर्तमान में परिणाम देने के महत्व को समझते हैं और उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह उम्मीद करते हैं कि उनकी टीम 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी के दौरान श्रीलंका द्वारा खेली जाने वाली प्रत्येक श्रृंखला में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

'परिणाम मायने रखते हैं, हम इससे मुंह नहीं मोड़ सकते। विश्व कप से पहले हम जितनी भी सीरीज खेलेंगे, हम उनमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। जैसे-जैसे हम विश्व कप के करीब पहुंचेंगे, हमारा लक्ष्य प्रगति करना और सुधार करना होगा,' उन्होंने आगे कहा।

नए मुख्य कोच का एक प्रमुख लक्ष्य श्रीलंका की टीम में प्रतिभा की गहराई और गुणवत्ता का आकलन करना होगा। पदभार संभालने के एक सप्ताह से कुछ अधिक समय में ही, कर्स्टन ने टीम का गहन विश्लेषण कर लिया है और श्रीलंका ए और न्यूजीलैंड ए के बीच होने वाले मुकाबले को देखने के लिए गाले की यात्रा करके देश की क्रिकेट प्रतिभाओं को और बेहतर ढंग से समझने की योजना बना रहे हैं।

'मैंने पहले सप्ताह में टीम का जायजा लेने में काफी समय बिताया है, ताकि हर किसी की स्थिति को समझ सकूं।

बीसीबी ने मुस्तफिजुर की एनओसी वापस ले ली, पाकिस्तान टेस्ट मैचों से पहले नाहिद राणा को पीएसएल से बाहर रखा गया।

चटोग्राम, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मुस्तफिजुर रहमान को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में भाग लेने के लिए जारी किया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) वापस ले लिया है, क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को आगे की चिकित्सा जांच कराने की सलाह दी गई थी।

एक आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति में, बीसीबी ने कहा कि टीम के चिकित्सा कर्मचारियों ने मुस्तफिजुर की स्थिति की समीक्षा की और तत्काल स्कैन कराने की सिफारिश की।

बयान में कहा गया है, 'यह निर्णय लिया गया है कि खिलाड़ी की स्थिति का और अधिक आकलन करने के लिए तत्काल स्कैन किया जाएगा, जिसके बाद वह बीसीबी मेडिकल टीम की देखरेख में पुनर्वास कार्यक्रम शुरू करेगा। '

परिणामस्वरूप, बोर्ड ने पुष्टि की कि मुस्तफिजुर पीएसएल 2026 सीजन के शेष मैचों में भाग नहीं लेगा।

'इस संबंध में, बोर्ड ने मुस्तफिजुर को पहले जारी किया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) वापस ले लिया है। इसलिए, वह पीएसएल 2026 के शेष मैचों में भाग नहीं ले सकेंगे,' विज्ञप्ति में आगे कहा गया है।

एक अलग फैसले में, बीसीबी ने यह भी घोषणा की कि होनहार तेज गेंदबाज नाहिद राणा को पीएसएल के लिए रिलीज नहीं किया जाएगा। यह कदम आगामी टेस्ट मैचों के लिए उनकी तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

'बीसीबी यह भी सूचित करना चाहता है कि तेज गेंदबाज नाहिद राणा को पीएसएल 2026 के लिए रिलीज नहीं किया जाएगा। यह निर्णय उन्हें अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने के लिए लिया गया है,' बयान में कहा गया है।

बांग्लादेश ने गुरुवार को तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 55 रनों से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। चटोग्राम में खेले गए इस मैच में बांग्लादेश ने 265 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया, जहां नाहिद राणा को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

इस बीच, बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चटोग्राम में 27 अप्रैल से शुरू होने वाले पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए एक नई टीम की घोषणा की है। मुस्तफिजुर, तस्कीन अहमद और नाहिद राणा सहित नियमित तेज गेंदबाजों को आराम दिया गया है, जिससे नए चेहरों को मौका मिला है।

उल्लेखनीय रूप से शामिल किए गए खिलाड़ियों में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अब्दुल गफ्फार सकलैन हैं, जिन्हें पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, और डेथ ओवरों के विशेषज्ञ रिपन मोंडल हैं, जिन्हें घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है।

राज्यपाल रमेन डेका ने ली रायपुर जिले में विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रायपुर जिले की विकासखण्ड स्तरीय समीक्षा बैठक ली। राज्यपाल ने कहा कि सभी अधिकारी जनता बीच जाएं और उनसे मिलें। उनके तथा हितग्राहियों से मुलाकात करें एवं उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर योजनाओं का फीडबैक लें। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत जानने का सबसे बेहतर तरीका लोगों से लगातार संवाद है। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट अजा, प्रोजेक्ट ग्रीन पालना और प्रोजेक्ट रचना की सराहना की। श्री डेका ने जिले के विभिन्न विकासखण्डों में हो रहे डबरी निर्माण की भी सराहना करते हुए कहा कि हमें बड़े किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, इससे रायपुर के जलस्तर में सुधार आएगा और भविष्य में होने वाले संभावित पेयजल की समस्या का सामना

करने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने अन्य राज्यों के सफल मॉडलों का उल्लेख करते हुए अधिकारियों को व्यवहारिक और प्रभावी उपाय अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में धान की खेती अधिक होती है, जो पानी की खपत बढ़ाती है, इसलिए बड़े किसानों को अन्य फसलों की ओर भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि रायपुर तेजी से विकसित हो रहा है और आने वाले वर्षों में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाएगा। उन्होंने जल जागरूकता, संसाधनों के संरक्षण और उनके सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर जल स्त्रोतों का पूरा रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि उसी आधार पर बेहतर योजना और रणनीति बनाई जा सके। श्री डेका ने कहा कि हमें ग्राम पंचायत स्तर पर छोटी-छोटी डबरी बनानी चाहिए। इस कार्य में समुदाय की भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करें और जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्यों के लिए शामिल करें। सभी शासकीय कार्यालयों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग का निर्माण करें और अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने जल जागरूकता, संसाधनों के संरक्षण और उनके सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि वृक्षारोपण को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। एम्स, डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल एवं स्कूलों में वृक्षारोपण करें। सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जा सकता है, इससे प्रदूषण की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास की निशानी अधिक से अधिक पेड़ लगाना और हरियाली है।

मुख्यधारा में लौटे युवाओं को मिल रहा मजबूत सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में माओवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। राज्य शासन द्वारा इन युवाओं के पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकें। बीजापुर जिला प्रशासन द्वारा पुनर्वासित युवाओं को शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं। बीजापुर जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में पुनर्वासित युवाओं को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इस कार्ड के

माध्यम से उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत बीपीएल परिवारों को 5 लाख रुपये तक और एपीएल परिवारों को 50 हजार रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत गंभीर एवं दुर्लभ बीमारियों के लिए 25 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में लाभार्थियों को योजनाओं के उपयोग और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई। आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने के बाद पुनर्वासित युवाओं में नया आत्मविश्वास देखने को मिला। उन्होंने शासन और प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए मुख्यधारा में आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य निर्माण की इच्छा व्यक्त की। यह पहल न केवल पुनर्वासित युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने के लिए भी प्रेरित कर रही है। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि ऐसे सभी युवाओं को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए और समाज की मुख्यधारा में उनकी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

महतारी वंदन से संवर रहा भविष्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। इस योजना के तहत प्राप्त आर्थिक सहायता से महिलाएं न केवल घरेलू जरूरतों की पूर्ति कर रही हैं, बल्कि अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव भी रख रही हैं। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बरबसपुर निवासी मनीषा बंजारा महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली 1000 रूपए सहायता राशि से परिवार की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपनी बेटी की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का अवसर मिला है। इससे परिवार के आर्थिक बोझ में कमी आई है और बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनी हुई है। मनीषा बताती हैं कि योजना से प्राप्त राशि का वे सुनियोजित उपयोग कर रही हैं। उन्होंने अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सुकन्या समृद्धि योजना में खाता भी खुलवाया है, जिसमें वे

नियमित रूप से बचत कर रही हैं। मनीषा के अनुसार, महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मविश्वास और आर्थिक संबल प्रदान किया है, जिससे वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिक बेहतर तरीके से कर पा रही हैं। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की योजनाएं न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

कैंसर पीड़ित महिला को जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

कलेक्टर ने बेहतर उपचार के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मरीज को बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा में करवाया जायेगा एडमिट काटाबहरा (नगवाही) निवासी समलू मरकाम जिनकी पत्नी कपूरा मरकाम थायराइड कैंसर के चौथे स्टेज से पीड़ित है और चलने फिरने में असमर्थ है। उन्हें बाइक में लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। यहां कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने मामला संज्ञान में आते ही तत्काल एम्बुलेंस बुलवा कर पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपचार के लिए निर्देशित किया। महिला को बेहतर उपचार के लिए रायपुर में एडमिट करवाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 11 नवंबर को ग्राम कांटाबहरा (नगवाही) के श्री समलु मरकाम द्वारा थायराइड

कैंसर पीड़ित पत्नी कपूरा मरकाम को उपचार के लिए बाइक में लिटा कर उपचार के लिए ले जाने की सूचना संज्ञान में आने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम 12 नवंबर को पीड़िता के घर पहुंची और उसे 108 एम्बुलेंस में बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा रायपुर भेजा गया। यहां महिला को कैंसर रिसर्च युनिट में भर्ती कराया गया है जहां कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज हुआ। उन्होंने आगे बताया कि पूर्व में पीड़िता के स्वास्थ्य समस्या की जानकारी मिलने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेगांखार/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोड़ला विकासखण्ड बोड़ला स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा पीड़ित कपूरा मरकाम पति समलू मरकाम के ग्राम काटाबहरा (नगवाही) के निवास स्थान पर जाकर निरीक्षण करने पर पाया गया कि श्री समलू मरकाम द्वारा अपनी पत्नी कपूरा मरकाम के गले का गांठ में दर्द होने पर प्राथ. स्वा. रेगांखर जंगल में ईलाज के लिए ले जाया गया। वहां पदस्थ डाक्टर द्वारा जिला स्वासस्थ्य विभाग के अधिकारियों से मरीज के बीमारी के संबंध में चर्चा कर उपचार के लिए रायपुर रिफर किया गया। जहां वर्ष 2024 में एक वर्ष तक एम्स, मेकाहारा तथा डीकेएस अस्पताल सहित कुछ निजी अस्पतालों में ईलाज चला। इसके पश्चात जनवरी 2025 में टाटा मेमोरियल मुंबई में एक माह तक ईलाज चला। वहां से ईलाज उपरांत घर लाया गया। पीड़िता की परेशानी पुनः बढ़ने पर उन्हें 12 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग द्वारा रायपुर विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास ईलाज के लिए ले जाया गया।

अधूरे निर्माण के भुगतान के दबाव की खबर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बीजापुर जिले में प्रधान अध्यापक की आत्महत्या से जुड़ी हालिया मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा बीजापुर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि अधूरे निर्माण कार्य के भुगतान के दबाव जैसी खबरें तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा बीजापुर द्वारा जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विभाग निष्पक्ष रूप से पुलिस जांच में पूर्ण सहयोग कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत पालनार अंतर्गत प्राथमिक शाला मझारपारा में पदस्थ प्रधान पाठक श्री राजू पुजारी का 22 अप्रैल 2026 को निधन हो गया, जो एक अत्यंत दुखद घटना है। पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के पास से कुछ पत्र बरामद किए गए हैं, जिनके आधार पर जांच की कार्यवाही जारी है। समग्र शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्राथमिक शाला भवन एवं अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से कराया गया था, जिसमें प्रधान अध्यापक पदेन अध्यक्ष होते हैं। निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत राशि के अनुरूप प्रथम किस्त का भुगतान नियमानुसार किया गया तथा कार्य पूर्ण होने के पश्चात माप पुस्तिका, पूर्णता प्रमाण पत्र, हस्तांतरण प्रमाण पत्र एवं फोटोग्राफ्स प्राप्त होने पर प्रगति के आधार पर रनिंग बिलों के माध्यम से राशि जारी की गई।

महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा का सशक्त मॉडल

आधुनिक पोषण आहार यूनिट का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। सूरजपुर जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम दर्रीपारा में बेलाफूल महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा 90 लाख रुपये की लागत से स्थापित आधुनिक पोषण आहार उत्पादन यूनिट का शुभारंभ किया गया।

हर घर तक पोषण, हर महिला को आत्मनिर्भरता : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े इस अवसर पर लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विधायक श्री भूलन सिंह मरावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य मौजूद रहीं। हर घर तक पोषण, हर महिला को आत्मनिर्भरता : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और बच्चों एवं माताओं को सुपोषण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह यूनिट केवल उत्पादन केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनेगी। ग्राम दर्रीपारा में स्थापित इस अत्याधुनिक यूनिट के माध्यम से परियोजना रामानुजनगर के 313 आंगनबाड़ी केंद्रों को मीठा शक्ति आहार एवं पौष्टिक नमकीन दलिया की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यूनिट में लगभग 30 मीट्रिक टन पोषण आहार का उत्पादन किया जाएगा, जिससे बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध हो सकेगा। यह पहल न केवल कुपोषण की चुनौती से निपटने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी। स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ अब उत्पादन, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि आत्मनिर्भर ग्राम सशक्त महिला की अवधारणा को साकार करने में ऐसे प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे। स्थानीय स्तर पर उत्पादन होने से पोषण आहार की गुणवत्ता, ताजगी एवं आपूर्ति व्यवस्था में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। यह यूनिट महिला सशक्तिकरण, पोषण सुरक्षा और स्थानीय उद्यमिता के त्रिवेणी संगम का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है।

अपनी ज़िम्मेदारी निभाएं और अपनी बेटियों को सर्वाईकल कैंसर के खतरे से बचाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बेटियों की मुस्कान में ही भविष्य की सबसे उजली तस्वीर बसती है-और इसी मुस्कान को सुरक्षित रखने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ ने एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि हर उस माँ-बाप के विश्वास की रक्षा है, जो अपनी बेटी के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित कल का सपना देखते हैं। भारत सरकार के नेतृत्व में चल रहे अभियान से जुड़ते हुए छत्तीसगढ़ अब उन सभी राज्यों के साथ कदम से कदम मिला रहा है, जिन्होंने गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओ में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है। यह मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (॥क्क्कू) संक्रमण के कारण होता है, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रारंभिक चरण में सामान्यतः कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देता जिस कारण अक्सर यह गंभीर अवस्था में पहुँच जाता है। HPV टीकाकरण इस गंभीर कैंसर के खिलाफ एक सशक्त और भरोसेमंद सुरक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुकी है- वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, पूर्णतः सुरक्षित, अत्यंत प्रभावी है और इसकी सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव दर्ज नहीं हुआ है-जो इसकी विश्वसनीयता को और भी पुख्ता बनाता है। यह टीका केवल आज की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में कैंसर के खतरे को जड़ से कम करने की ठोस और दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करता है। निजी अस्पतालों में एचपीवी टीके की एक खुराक की कीमत लगभग ?4,000 तक होती है, जो अनेक परिवारों के लिए वहन करना आसान नहीं है। ऐसे में आर्थिक बाधाएँ अक्सर बेटियों की इस जरूरी सुरक्षा में रुकावट बन जाती हैं।

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट और संवेदनशील रुख अपनाया है। सरकार का दृढ़ संकल्प है कि कोई भी बेटी केवल आर्थिक कारणों से इस जीवनरक्षक टीके से वंचित न रहे, और इसी उद्देश्य से पात्र

किशोरियों को यह टीका पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। यह टीकाकरण राज्य के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध है तथा शीघ्र ही यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी उपलब्ध होगा। प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों और यू विन डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए हर लाभार्थी तक इस सेवा की पारदर्शी और प्रभावी पहुँच सुनिश्चित की गई है।

मण्डीपखोल गुफा दर्शन हेतु प्रशासन पूरी तरह तैयार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान के ठाकुरटोला जमीदारी में आगामी 27 अप्रैल को ऐतिहासिक गुफा मण्डीपखोल गुफा के खुलने के मद्देनज़र जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज गुरूवार को जनपद पंचायत छुईखदान के सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रद्धालुओं की संभावित बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। गुफा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, प्रभावी भीड़ नियंत्रण एवं सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। स्वास्थ्य विभाग को गुफा स्थल पर अस्थायी चिकित्सा शिविर स्थापित करने, आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय रखने तथा अतिरिक्त स्वास्थ्य टीम की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे किसी भी स्थिति में

त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आयोजन समिति एवं ग्राम पंचायतों को आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं आबकारी विभाग को गुफा के आसपास एवं नजदीकी क्षेत्रों में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में डीएसपी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मण्डीप खोल गुफा दर्शन आयोजन समिति के संरक्षक लाल रोहित सिंह पुलत्स्य एवं सदस्य, विभागीय अधिकारी तथा क्षेत्र के सरपंच एवं सचिव उपस्थित थे।

धान फसल के लिए सस्ता, टिकाऊ और प्रभावी जैविक उर्वरकं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि लागत कम करने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की दिशा में नील-हरित शैवाल (ब्लू-ग्रीन एल्गी/सायनोबैक्टीरिया) किसानों के लिए एक प्रभावी विकल्प बनकर उभर रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र, राजनांदगांव की प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गुजन झा ने बताया कि नील-हरित शैवाल प्रकाश संश्लेषण करने वाले सूक्ष्म जीवाणुओं का समूह है, जो ताजे एवं समुद्री जल में पाया जाता है और धान सहित अन्य फसलों के लिए प्राकृतिक जैविक उर्वरक के रूप में कार्य करता है। नील-हरित शैवाल वातावरण से नाइट्रोजन को अवशोषित कर उसे मिट्टी में स्थिर करता है, जिससे फसलों को आवश्यक पोषण मिलता है। धान की खेती में इसके उपयोग से नाइट्रोजन की कमी पूरी होती है और उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। इसके साथ ही प्रति हेक्टेयर 25 से 30 किलोग्राम तक नाइट्रोजन की बचत भी की जा सकती है, जिससे यूरिया और अन्य रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है और खेती की लागत कम होती है। डॉ. झा ने बताया नील-हरित शैवाल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह मिट्टी में जीवांश की मात्रा बढ़ाकर उसे भुरभुरा और उपजाऊ बनाता है। साथ ही, यह लाभकारी सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि को प्रोत्साहित करता है और पौधों की जड़ों के विकास में सहायक होता है। विशेष रूप से 'एनाबीना' और 'नॉस्टोक' प्रजातियां धान के खेतों के लिए अत्यंत उपयोगी जैविक नाइट्रोजन उर्वरक मानी जाती हैं। इसके अतिरिक्त, ये सूक्ष्मजीव प्रकाश संश्लेषण के दौरान ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं, जिससे जलीय जीवों के लिए अनुकूल वातावरण बनता है। तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों में ये कार्बन डाइऑक्साइड और पोषक तत्वों का उपयोग कर जल को स्वच्छ बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। डॉ. झा ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी नील-हरित शैवाल उत्पाद सुरक्षित नहीं होते। प्राकृतिक स्त्रोतों से प्राप्त शैवाल में 'माइक्रोसिस्टिन' जैसे विषैले तत्व हो सकते हैं, जो यकृत के लिए हानिकारक होते हैं। इसलिए किसानों को केवल प्रमाणित एवं प्रयोगशाला में विकसित उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए। नील-हरित शैवाल का उत्पादन खेत या घर पर आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए 2 से 3 मीटर लंबा, 2 मीटर चौड़ा एवं 20-30 सेंटीमीटर गहरा गड्ढा तैयार कर उसमें सूखी मिट्टी, गोबर खाद और

पानी का मिश्रण तैयार किया जाता है। इसमें सुपर फॉस्फेट मिलाकर शैवाल का कल्चर डाला जाता है। 30 से 45 डिग्री सेल्सियस तापमान और पर्याप्त धूप में 10 से 15 दिनों के भीतर शैवाल की परत तैयार हो जाती है, जिसे सुखाकर संग्रहित किया जा सकता है। धान की फसल में इसका उपयोग रोपाई के 7 से 10 दिन बाद, पानी भरे खेत में 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से करना उपयुक्त होता है। उपयोग के बाद खेत में 10 से 15 दिनों तक नमी बनाए रखना आवश्यक है, ताकि शैवाल का समुचित विकास हो सके। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, नील-हरित शैवाल न केवल किसानों की लागत कम करने में सहायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण है।